www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
7 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 70 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पाकिस्तान देखता रह गया, भारत ने मार लिया मैदान!

पीएम मोदी अब इंडोनेशिया में ठोकेंगे आखिरी कील!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया में बड़ा कदम रखने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से शुरू हो रहे अपने तीन देशों के दौरे में सबसे पहले इंडोनेशिया की यात्रा पर पहुंच गए हैं। पीएम मोदी के इस दौरे से पाकिस्तान की छटपटाहट बढ़नी तय है, क्योंकि पाकिस्तान पूरे क्षेत्र में खुद को इस्लामी देशों का अगुवा मानता है। वहीं, यह दौरा चीन को भी अखर सकता है, क्योंकि चीन इंडोनेशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों में लगा हुआ है। इंडोनेशिया के बेहद करीब मलक्का स्ट्रेट से ही चीन के ज्यादातर समुद्री जहाज गुजरते हैं। पीएम मोदी छह जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर रहेंगे। **चार बार जा चुके हैं पीएम–** व्यापक रणनीतिक भागीदारी के तहत पीएम सबसे पहले इंडोनेशिया दौरे पर हैं। इंडोनेशिया की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पीएम का यह इंडोनेशिया का चौथा दौरा है। मई 2018 में व्यापक रणनीतिक भागीदारी के साथ यह शुरू हुआ है।

● **इंडोनेशिया को ब्रह्मोस देगा! दुश्मन की उड़ी नींद–** भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत इंडोनेशिया से अपने रिश्ते तेजी से बढ़ा रहा है। खासतौर पर पीएम मोदी के कार्यकाल में रक्षा और समुद्री भागीदारी को बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की बिक्री भी शामिल है। पीएम मोदी के दौरे में इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने को लेकर डील हो सकती है।

समुद्री सतर्कता और हिंद-प्रशांत में सहयोग

भारत और इंडोनेशिया ने 2018 से ही हिंद–प्रशांत में समुद्री सहयोग को लेकर विजन शेयर किए थे। इसके तहत एक इंडोनेशियाई लाइजन ऑफीसर को तैनात किया गया है, जो हमारी समुद्री सतर्कता को बढ़ाने में मददगार होगा। भारत इंडोनेशियाई आर्मी के कैडेटों और ऑफिसरों को एनडीए और डीएसएससी में ट्रेनिंग भी देगा, जो रक्षा क्षमता को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। भारत के इंडोनेशिया के साथ संबंध बढ़ाने के पीछे एक बड़ी वजह क्रिटिकल मिनरल भी है। इंडोनेशिया के पास क्रिटिकल मिनरल की खान है। इंडोनेशिया पूरी दुनिया में क्रिटिकल मिनरल के मामले में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इंडोनेशिया के पास पूरी दुनिया का करीब 21 फीसदी निकिल रिजर्व है। यह कॉपर, बॉक्साइट और टिन के मामले में दुनिया के टॉप उत्पादकों में से एक है। पीएम मोदी के इस दौरे में इस मामले में सहयोग को मजबूत किया जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

यूपी का जलालाबाद अब हुआ परशुराम पुरी

● योगी सरकार ने बदला शाहजहांपुर के कस्बे का नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। शाहजहांपुर के जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी करने का प्रस्ताव पास हो गया है। नाम परिवर्तन के इस प्रक्रिया की शुरुआत मार्च 2018 से हुई थी। यह स्थान भगवान परशुराम की जन्मस्थली मानी

जाती है। यहां भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर भी है। शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 और सितंबर 2023 में बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया। शाहजहांपुर के तत्कालीन डीएम ने अपनी संस्तुति के साथ प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा था। प्रदेश सरकार ने इसे केंद्र सरकार को आगे भेज दिया था। केंद्र सरकार ने 20 अगस्त, 2025 को राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे थी जिसे आज कैबिनेट बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। **भगवान परशुराम की जन्मभूमि माना जाता है ये कस्बा–** कई पौराणिक ग्रंथों में इस छोटे से कस्बे को भगवान परशुराम की जन्मभूमि के रूप में वर्णित किया गया है। यही वजह है कि 2022 में सरकार ने इसे परशुराम जन्मभूमि के रूप में आधिकारिक घोषणा की थी।

सिया ने केतन मर्डर से पहले पढ़ा था राजा रघुवंशी केस

● मोबाइल हिस्ट्री से पता चला, यह भी जाना-क्या कस्टडी में महिला से मारपीट होती है

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। यह पूरी जानकारी सिया के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से

मिली। पुलिस 2 दिन पहले सिया को उसके घर लेकर गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। सिया गोयल के पिता ने उन दावों को खारिज कर दिया है कि उसने मीडिया की ओर कोई अश्लील इशारा किया था।

बिहार में तय समय पर होंगे पंचायत चुनाव

● पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने किया ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर हलचल शुरू हो गई है। थर्ड राउंड के पदवार आरक्षण की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं होने की वजह से कहा जा रहा है कि इस बार पंचायत चुनाव तय समय यानी दिसंबर 2026 शायद ही पूरा हो

सके। हालांकि बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने साफ कर दिया कि बिहार में समय पर पंचायत चुनाव होंगे। इसके साथ ही आरक्षण रोस्टर भी लागू रहेगा। आरक्षण के रोस्टर को लेकर पूछे गए सवाल पर बिहार के दीपक प्रकाश ने कहा कि आरक्षण का पिछला रोस्टर लागू हुए 10 साल हो गए हैं। प्रावधान के मुताबिक कानूनन 10 साल के बाद आरक्षण का नया रोस्टर लगू करना है। तो इस बार जो पंचायत चुनाव, 2026 में उसमें नया रोस्टर लगू किया जाएगा। **आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को बनाया आधार–** बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश कुशवाहा ने बताया कि आरक्षण के रोस्टर को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश में सारा काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी जगह जनसंख्या का प्रकाशन किया गया है। आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को आधार बनाया है।

हाफिज ने रची थी पहलगाम हमले की साजिश

● एनआईए ने स्पेशल कोर्ट दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

एजेंसी ने भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। जम्मू की स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में उसे हमले की साजिश रचने,आतंकियों को संचालित करने और भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोपी बनाया गया है।

एनआईए चार्जशीट में क्या-क्या खुलासा

हमले का मास्टरमाइंड लश्कर–ए–तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा था। साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था। टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद बड़े साजिशकर्ता हैं।

पहलगाम हमले के 3 गुनहगार ढेर हो चुके

एनआईए के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल पाक आतंकी फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान भाई और हमजा अफगानी को सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई, 2025 को ढेर कर दिया था। भारत के टॉप वांटेड में शामिल आतंकी लंगड़ा पर 10 लाख का इनाम है। इन्हीं के पास से गो–प्रो कैमरा मिला था। भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेते हुए 6–7 मई की रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं थीं। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। हमले में मसूद अजहर की फैमिली के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए थे।

वेस्ट बंगाल के बाद अब झारखंड है हमारा लक्ष्य

● असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा बयान

कहा-राज्य में बदल रही डेमोग्राफी,बदलाव है जरूरी

रांची (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड को लेकर पार्टी की आगामी रणनीति पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के बाद अब भाजपा का अगला मुख्य लक्ष्य झारखंड होगा। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड को भाजपा का एक 'अधूरा एजेंडा' बताते हुए कहा कि हालांकि पिछले चुनाव में गठबंधन के स्तर पर कुछ कमियों और अन्य दलों की ओर से वोट काटे जाने के कारण सफलता नहीं मिली, लेकिन असफलता ही सफलता का स्तंभ होती है।

डेमोग्राफिक और घुसपैठ पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री सरमा ने बात करते हुए झारखंड की सुरक्षा और सामाजिक ताने–बाने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि कई लोगों को इस बात का अंदाजा नहीं है कि झारखंड के कुछ जिले अंतरराष्ट्रीय सीमा के बहुत करीब हैं। सरमा के मुताबिक, मुर्शिदाबाद मार्ग के जरिए बड़ी संख्या में लोग झारखंड में दाखिल हुए हैं, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी (आबादी का ढांचा) बदल रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि बंगाल की तरह ही झारखंड को भी अपनी पहचान बचाने के लिए भाजपा की सख्त जरूरत है। झारखंड में भी आदिवासी गौरव को बचाना है।

एमपी में इसी महीने आएगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

● सीएम ने कहा-सभी के लिए एक ही कानून होगा ● कहा-सतगढ़ी इंडस्ट्रियल पार्क से देंगे 15 हजार रोजगार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- एमपी में इसी महीने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) आएगा। हिंदू भाई एक शादी करता है और सात फेरे लेता है, तो सभी के लिए ऐसा ही कानून होना चाहिए। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है। वह फिर दावा करेगी कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ है। कांग्रेसियों को याद रखना चाहिए कि एक समान नागरिक संहिता हर हाल में लागू की जाएगी। इसके लिए प्रदेश की जनता से राय ली गई है। 10 लाख से अधिक सुझाव मिले हैं। हम चाहते तो सीधे विधानसभा में कानून ला सकते थे, लेकिन जनता की राय के आधार पर फैसला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव ने यह बात सोमवार को भोपाल के सतगढ़ी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमिपूजन करने के बाद कही।

वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित होगा इंडस्ट्रियल पार्क- सीएम ने कहा- करीब 173 एकड़ में बनने वाला यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यहां उद्योगों के साथ कर्मचारियों के रहने, कौशल विकास और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे उद्योगों को बेहतर माहौल मिलेगा और निवेश की उम्मीद बढ़ेगी। पार्क में हाई वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग, गारमेंट, टॉयज, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, लॉजिस्टिक्स और नई तकनीक से जुड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। यह परियोजना भोपाल को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाएगी। इससे 15 हजार से ज्यादा प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर बनेगा– स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क के तहत 25 एकड़ में विश्वस्तरीय कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर भी बनाया जाएगा। इसकी क्षमता 10 हजार से ज्यादा लोगों की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। इनमें से 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

सीएम बोले- यूका की जगह पर अस्पताल बनाएंगे

सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों की गति बढ़ रही है, इसलिए कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट रहा है। कांग्रेस ने यूनियन कार्बाइड (यूका) के आरोपियों को बचाने का काम किया। उन्हें विमान देकर भगा दिया था। हमने यूका का कचरा हटाया। वहां स्मारक बनाएंगे। अस्पताल भी बनाया जाएगा, जो लोगों को जीवन देने का काम करेगा। संविधान के अनुच्छेद 44 के भाग– 4 में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा है। राज्य के नीति–निदेशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि 'राज्य, देशभर में नागरिकों के लिए एक यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने का प्रयास करेगा।' हमारे संविधान में नीति निदेशक तत्व सरकारों के लिए एक गाइड की तरह है। इनमें वे सिद्धांत या उद्देश्य बताए गए हैं, जिन्हें हासिल करने के लिए सरकारों को काम करना होता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: चंपत राय, अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

● पूर्व IFS कृष्ण मोहन नए महासचिव, ट्रस्ट बोला- घटना से हम शर्मिंदा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक 3 घंटे चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी

अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में हैं। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया।

देश—दुनिया में बसे उत्तराखंडवासी राज्य के सबसे बड़े सांस्कृतिक दूत और ब्रांड एंबेसडर-धामी

मुंबई में प्रवासी उत्तराखंडवासियों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आत्मीय संवाद

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुंबई में आयोजित प्रवासी उत्तराखंडवासियों के भव्य सम्मेलन में प्रदेश और देश–विदेश में बसे उत्तराखंड मूल के लोगों के साथ आत्मीय संवाद किया।

इस अवसर पर उन्होंने मुख्यसेवक के रूप में पिछले पाँच वर्षों की विकास यात्रा, जनसेवा के संकल्प तथा विकसित उत्तराखंड के विजन को साझा करते हुए प्रवासी समाज को राज्य के विकास का महत्वपूर्ण भागीदार बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक राजधानी मुंबई में उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को जीवंत बनाए रखने वाले प्रवासी उत्तराखंडवासियों के बीच उपस्थित होकर उन्हें विशेष आत्मीयता और गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दूरी चाहे कितनी भी हो, उत्तराखंड और उसके प्रवासी परिवारों के बीच

भावनात्मक संबंध सदैव अटूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडवासी अपनी मेहनत, संस्कार, उपलब्धियों और उत्कृष्ट कार्यों के माध्यम से देश–दुनिया में राज्य की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं तथा वे वास्तव में उत्तराखंड के सांस्कृतिक दूत और सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के प्रति प्रवासी समाज का स्नेह, समर्पण और जुड़ाव राज्य की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभूमि से यह भावनात्मक संबंध नई पीढ़ी को भी उत्तराखंड की संस्कृति, लोक परंपराओं और जीवन मूल्यों से जोड़े रखने का कार्य कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर सभी प्रवासी संगठनों और उपस्थित उत्तराखंडवासियों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी उत्तराखंडवासियों की प्रतिभा, अनुभव और विशेषज्ञता को उत्तराखंड के विकास से जोड़ने के उद्देश्य से प्रवासी उत्तराखंड परिषद का गठन किया है। इसके माध्यम से देश–विदेश में रहने वाले उत्तराखंडवासी राज्य की विकास योजनाओं, निवेश, नवाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रवासी समाज के सुझावों और अनुभवों को विकास प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार मानती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान भी प्रवासी उत्तराखंडवासियों ने सदैव आगे बढ़कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के आह्वान पर अब तक देश–विदेश में रह रहे 27 प्रवासियों ने उत्तराखंड के 29 गांवों को गोद लिया है, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड में नदी एवं जलस्रोत पुनर्जीवन को मिली नई गति

देहरादून। सचिवालय स्थित वीर चंद्रसिंह गढ़वाली सभागार में जलागम सचिव दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में जल स्त्रोतों, धारों–नौलों तथा नदियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए कार्यरत स्प्रिंग एंड रिवर रीजुवेनेशन अथॉरिटी की राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की सातवीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेशभर में संचालित नदी पुनर्जीवन, भू–जल पुनर्भरण, धारा–नौला संरक्षण तथा "एक जनपदझ्रएक नदी" योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया गया। बैठक में बागेश्वर जनपद की गरुड़ गंगा नदी तथा पौड़ी जनपद की पश्चिमी नयार नदी के विस्तृत परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। गरुड़ गंगा परियोजना के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये तथा पश्चिमी नयार नदी परियोजना के लिए लगभग 48 करोड़ रुपये की कार्ययोजना पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया।एसएलईसी में अनुमोदन के पश्चात एनपीसी मे जाएगी, कुल योजना लागत साठ करोड़ है।

बैठक में बताया गया कि राज्य के सभी 13 जनपदों में एक–एक प्रमुख नदी का चयन कर उनके वैज्ञानिक आधार पर पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। अब तक 13 नदियों के लिए लगभग 120 करोड़ रुपये से अधिक की उद्धफ तैयार की जा चुकी हैं, जिनमें कई परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है जबकि कुछ परियोजनाओं को उच्चस्तरीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। विकसित भागीरथ ऐप के माध्यम से प्रदेशभर में 4,490 जलस्रोतों का ॅकर आधारित डिजिटल मानचित्रण किया जा चुका है। इनमें धारों, नौलों, सहायक नदियों तथा वर्षा आधारित जल स्रोतों की स्थिति का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त कुल 5,775 जल संरचनाओं एवं जल स्रोतों की पहचान कर उनका डेटाबेस तैयार किया गया है। बैठक में "धारा–नौला संवर्धन योजना" की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

हरिद्वार में भू—जल पुनर्भरण परियोजना

बैठक में हरिद्वार जनपद के लिए 49 आर्टिफिशियल रिचार्ज शाफ्ट स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। लगभग 2.40 करोड़ रुपये की इस परियोजना का उद्देश्य भू–जल स्तर में सुधार तथा वर्षा जल का अधिकतम पुनर्भरण सुनिश्चित करना है।

वित्तीय एवं परियोजना प्रगति

बैठक में बताया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में रअफफअ के माध्यम से प्रदेशभर में 86 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

पलायन रोकने को थत्यूड़ में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग फिर से जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों की ओर से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजकर ब्लॉक मुख्यालय में केंद्रीय विद्यालय की शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की गई। उनका कहना है कि कई वर्षों से क्षेत्र के लोग केंद्रीय विद्यालय की मांग उठाते आ रहे हैं, लेकिन शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। विकास मंच के सदस्य व पूर्व उप शिक्षा निदेशक चेतन प्रसाद नौटियाल का कहना है कि जौनपुर विकासखंड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान का अभाव है। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए क्षेत्र के लोग लगातार देहरादून, मूसरी के लिए पलायन करते जा रहे है।

मनेरा बाईपास पर जलभराव से आवाजाही हुई मुश्किल

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के प्रवेश मार्गों में शामिल मनेरा बाईपास सड़क पर जलभराव की समस्या ने आवाजाही को मुश्किल बना दिया है। बरसात शुरू होते ही सड़क के कई हिस्से पानी में डूब गए हैं जबकि एक स्थान पर करीब 20 मीटर तक सड़क तालाब का रूप ले चुकी है। हालात ऐसे हैं कि वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। मनेरा बाईपास पर जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई दिखाई दे रही है। सड़क पर जमा पानी के कारण दोपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन बेहद खतरनाक हो गया है वहीं चारपहिया वाहन भी धीमी गति से गुजरने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग की ओर से न तो जल निकासी की समुचित व्यवस्था की गई और न ही समय पर नालियों की सफाई कराई गई।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि सड़क किनारे बनी नालियां लंबे समय से घास, मलबे और गंदगी से पटी हुई हैं, जिसके कारण बरसात का पूरा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। उनका कहना है कि हर वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति उत्पन्न होती है लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

एक नजर

बदरीनाथ राजमार्ग पर कमेड़ा में टू लेन यातायात बहाल

गौचर। बदरीनाथ राजमार्ग पर कमेड़ा सिंकिंग जोन पर अब दोहरी लेन यातायात बहाल कर दिया गया है। इससे पिछले दो सालों से चली आ रही जाम की समस्या से यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। यहां हो रहे सुरक्षा कार्यों में अब डामरीकरण होना शेष रह गया है। यह संवेदनशील जोन पिछले दो सालों से रखरखाव कार्य के कारण एकतरफा यातायात व्यवस्था के तहत संचालित था। इस वजह से यात्रियों को लगातार जाम का सामना करना पड़ रहा था। एनएचआईडीसीएल की ओर से सिंकिंग जोन के स्थायी समाधान के लिए ढालयुक्त रखरखाव कार्य किया गया। इसमें अलकनंदा नदी तट से गेबियन और डाइवर्जन दीवारें भी बनाई गईं। सड़क मार्ग संकरा था। सुरक्षा कारणों से पहले पुलिस, होमगार्ड और अर्धसैनिक बल के करीब आठ जवान तैनात थे। यातायात नियंत्रण के लिए दस–दस मिनट के अंतराल पर वाहनों को छोड़ा जा रहा था। अब रखरखाव कार्य अंतिम चरण में है, केवल सड़क का डामरीकरण शेष है। दोहरी लेन यातायात बहाल होने से तैनात जवानों की संख्या भी कम कर दी गई है। पुलिस चौकी प्रभारी गौचर मानवेंद्र सिंह गुसाईं ने बताया कि कमेड़ा सिंकिंग जोन पर दोहरी लेन यातायात बहाल हो गया है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था सुचारू होने से अब केवल एक–दो पुलिसकर्मी ही तैनाती पर हैं। यात्रियों को अब बिना किसी बाधा के आवागमन की सुविधा मिल रही है। यह कदम क्षेत्र में पर्यटन और स्थानीय आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण है।

देवाल में कांग्रेस की जन आक्रोश रैली

देवाल। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ देवाल बाजार में प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार का पुतला फूंका और जनसभा में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। पार्टी ने सरकार पर गढ़वाल की उपेक्षा का आरोप लगाया।

सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष कमल गड़िया के नेतृत्व में टैक्सी पार्किंग से जन आक्रोश रैली निकाली गई। करीब दो घंटे तक रैली और प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने स्टेशन पर आयोजित जनसभा में भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों पर जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार में जन सुविधाएं ठप हो गई हैं। उन्होंने राम मंदिर में चोरी, पेपर लीक और महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। पार्टी ने रक्षा मंत्रालय से स्वीकृत ग्वालदम–नंदकेशरी–देवाल–वाण–तपोवन मार्ग को बीआरओ को सौंपने की मांग की। इसके साथ ही 2017 में बनी देवाल तहसील के संचालन की भी मांग की गई। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था करने, बदहाल सड़कों को ठीक करने, शिक्षकों की तैनाती करने और सड़क हादसों में जान गंवाने वालों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा देने की मांग की गई। प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष कमल गड़िया, थराली ब्लॉक अध्यक्ष विनोद रावत, पूर्व प्रमुख डीडी कुनियाल सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएमजीएसवाई की भूमि पर एएनएम सेंटर निर्माण का विरोध

गोपेश्वर। धारकोट गांव के पूर्व ग्राम प्रधान लकेश कुमार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की भूमि पर एएनएम सेंटर निर्माण की प्रस्तावित योजना का विरोध करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मामले का शीघ्र संज्ञान लेकर सड़क की भूमि स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि पीएमजीएसवाई के तहत वर्ष 2011 में लासी–सरतोली (13.93 किलोमीटर) मोटर मार्ग का निर्माण किया गया था, जिससे सरतोली गांव तक सड़क सुविधा पहुंची।आरोप लगाया कि अब सड़क किनारे स्थित पीएमजीएसवाई की भूमि पर स्वास्थ्य विभाग से मिलकर कुछ लोगों द्वारा गोपनीय रूप से एएनएम सेंटर संचालित करने की योजना बनाई जा रही है और इसके लिए भूमि की रजिस्ट्री की जा रही है। कहा गया कि यदि सड़क किनारे भवन का निर्माण किया गया तो सड़क की उपयोगी लंबाई प्रभावित होगी और भविष्य में इसके चौड़ीकरण या विस्तार में भी दिक्कतें आएंगी। डीएम ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामले को दिखवाने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

दूषित जलापूर्ति से निजात दिलाने के लिए डीएम से लगाई गुहार

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में दूषित पेयजल की आपूर्ति से निजात दिलाने, सड़क का पुश्ता टूटने से खतरे की जद में आए मकानों की सुरक्षा करने और दुकान में घुस रहे बरसाती पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करने सहित कई शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकतर समस्याओं का निस्तारण कर अन्य संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए हैं। जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने बरसात के मौसम में गंदे पानी की सप्लाई से निजात दिलाने की मांग की। लोनिवि और पीएमजीएसवाई को सुरक्षा के लिए दीवार निर्माण और अन्य ट्रीटमेंट कार्य शीघ्र करने को कहा। चंबा निवासी सब्बल सिंह चौहान ने कहा कि नगर पालिका की नाली का पानी उनकी दुकानों में घुस रहा है। धनोल्टी में सकलाना क्षेत्र के ग्राम दड़क के निवासी मूल्या सिंह उर्फ धरम सिंह ने बताया कि उनकी कोई संतान नहीं है। अपनी 25 नाली जमीन पालन–पोषण करने की शर्त पर भतीजे को दी थी लेकिन भतीजा अब पालन पोषण नही कर रहा है।

मुख्य सचिव ने की चारधाम हेली सेवाओं की समीक्षा

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में आज नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अअक) एवं उत्तराखण्ड शासन के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2026 की चारधाम हेली सेवाओं के प्रथम चरण के सफल संचालन की विस्तृत समीक्षा करते हुए राज्य में विमानन अवसंरचना के विस्तार, परिचालन सुरक्षा तथा भविष्य की विकास योजनाओं पर व्यापक विचार–विमर्श किया गया। बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव श्री समीर सिन्हा, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार, संयुक्त सचिव, नागरिक उड्डयन मंत्रालय श्री असांगबा चुबा, पर्यटन सचिव श्री धीराज सिंह गर्ब्याल, प्रमुख सचिव श्री सुधांशु सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में अवगत कराया गया कि वर्ष 2026 की चारधाम हेली सेवाओं का प्रथम चरण 19 अप्रैल से 26 जून 2026 तक सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक संचालित किया गया। द्वितीय चरण का संचालन 15 सितम्बर 2026 से प्रस्तावित है। इस मध्यावधि का उपयोग सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने, आवश्यक अवसंरचना विकसित करने तथा आगामी चरण की तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर विशेष बल

दिया गया।समीक्षा के दौरान राज्य सरकार एवं विभिन्न विमानन एजेंसियों द्वारा किए जा रहे सुरक्षा उपायों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। केंद्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने भी परिचालन सुरक्षा, मौसम संबंधी सूचना तंत्र तथा यात्री सुविधाओं को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि राज्य सरकार, नागरिक उड्डयन एजेंसियों एवं अन्य हितधारकों के समन्वित प्रयासों से उत्तराखण्ड के विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव श्री समीर सिन्हा ने उत्तराखण्ड के लिए भावी विमानन विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ एवं श्रीनगर में नए हेलीपोर्ट विकसित करने का प्रस्ताव रखा, जिससे क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक विमानन सेवाओं का विस्तार हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर संचालन को और अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से अतिरिक्त स्थापित करने पर भी विशेष बल दिया गया, जिससे मौसम पूर्वानुमान की सटीकता एवं उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में संशोधित उड़ान योजना के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री की दूरदर्शी परिकल्पना का उल्लेख करते हुए बताया गया कि देशभर में 100 नए हवाई अड्डों तथा 200 हेलीपोर्टों के विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड के लैंसडाउन, रामनगर एवं नैनीताल क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर संचालन हेतु आवश्यक अवसंरचना विकसित किए जाने तथा राज्य में तीन नए एयरस्ट्रिपों की व्यवहार्यता का अध्ययन कराने पर भी सहमति व्यक्त की गई। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को निर्देश दिए कि चारधाम हेली सेवाओं के आगामी चरण से पूर्व सभी सुरक्षा एवं अवसंरचनात्मक कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएँ तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के मध्य प्रभावी समन्वय बनाए रखा जाए।

जन जन की सरकार—जन जन के द्वार कार्यक्रम में हर समस्या का समाधान

अभियान के पहले तीन दिनों में ही हजारों लोगों ने उठाया विशेष शिविरों का लाभ

देहरादून। जन समस्या निराकरण और आम आदमी तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे ह्यजन जन की सरकार–जन जन के द्वारह्न कार्यक्रम के पहले तीन दिनों में ही हजारों की संख्या में लोगों ने विशेष शिविरों का लाभ उठाया। इस दौरान लोगों को जहां जन समस्याओं का त्वरित समाधान मिला, वहीं समाज कल्याण पेंशन, आयुष्मान कार्ड, चिकित्सा उपकरण, कृषि उपकरणों सहित अन्य सेवाएं भी निशुल्क प्रदान की गईं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेशभर में 4 जुलाई से 15 दिन का ह्यजन जन की सरकार–जन जन के द्वारह्न अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारी– कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जन समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। अभियान के पहले तीन दिनों में ही प्रदेशभर में आयोजित शिविरों में हजारों लोगों ने प्रतिभाग किया है। इन शिविरों में लाभार्थियों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के चेक के साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण के बाद चिकित्सा उपरकण भी वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही समाज कल्याण पेंशन, राजस्व विभाग के विभिन्न प्रमाणपत्र, आयुष्मान कार्ड भी बनाकर दिए जा रहे हैं। साथ ही कृषि उपकरण, बीज भी वितरित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोग सड़क, बिजली, पानी जैसी जनसमस्याओं का भी निराकरण करवा रहे हैं।

5 लाख से अधिक की थी जनभागीदारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि लोगों को जन समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, बल्कि विभाग अधिकारी कर्मचारी खुद लोगों के पास पहुंच शिकायतों का निस्तारण करें। मुख्यमंत्री की इसी सोच को केंद्र में रखते हुए प्रदेश सरकार ने गत दिसंबर माह से 45 दिन का ह्यजन–जन की सरकार, जन–जन के द्वारह्न अभियान शुरु किया था। दिसंबर माह में शुरु किए गए 45 दिन के ह्यजन–जन की सरकार, जन–जन के द्वारह्न अभियान के तहत 681 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 5,33,452 नागरिकों ने प्रत्यक्ष तौर पर भागीदारी निभाई, यही नहीं इस दौरान करीब 33 हजार जन शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया। इस अभियान को गवर्नेंस की बेस्ट प्रैक्टिस के रूप भी सराहा गया।

राज्य सरकार का उद्देश्य है कि जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

तीन साल बाद भी नहीं सुधरी पुरोला–गुंदियाट सड़क की हालत

पुरोला। वर्ष 2023 की आपदा में क्षतिग्रस्त हुई कमल नदी किनारे स्थित पुरोलाझ्रपोराझ्रगुंदियाट मोटर मार्ग की हालत तीन वर्ष बाद भी नहीं सुधरी है। सिरांई पट्टी के 22 गांवों की लाइफ लाइन मानी जाने वाली इस सड़क की बदहाली से ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। भद्राली, खड़क्यासेम, मोल्टाड़ी, सुकड़ाला, धेवरा, सुनाली, पोरा, धुनगिर, बसंतनगर, महर, गुंदियाट, कंडियाल, रोन और रामा समेत कई गांवों को जोड़ने वाली इस सड़क पर वर्ष 2023 की आपदा के दौरान कमल नदी के उफान से करीब 100 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार बह गई थी। अब तक इसका स्थायी पुनर्निर्माण नहीं हो सका है। फिलहाल छोटे वाहन किसी तरह गुजर रहे है लेकिन बरसात में नदी का जलस्तर बढ़ने से सड़क का शेष हिस्सा भी क्षतिग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मार्ग बंद हुआ तो लोगों को पुरोलाझ्रमठझ्रगुंदियाट मार्ग से करीब सात किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ेंगे। समाजसेवी राजपाल पंवार, सुशील चमोली और प्रताप रावत ने आरोप लगाया कि तीन वर्षों से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सुरक्षा दीवार निर्माण और सड़क के डामरीकरण की मांग की जा रही है।

बौराड़ी स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट निर्माण बंद

नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में 71 लाख की लागत से निर्माणाधीन बैडमिंटन कोर्ट का कार्य विरोध के चलते अधर में लटक गया। कुछ लोगों की आपत्ति के बाद पिछले एक सप्ताह से निर्माण कार्य बंद पड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने दो सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी। समिति को दो दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। समिति को बैडमिंटन कोर्ट के लिए आसपास भूमि की पड़ताल करने को कहा गया है। युवा कल्याण विभाग की पहल पर बौराड़ी स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कराया जा रहा है। बीते 27 मई को इसका शिलान्यास हुआ था। निर्माण की जिम्मेदारी लघु सिंचाई विभाग को दी गई है, जिसे नौ माह के भीतर कार्य पूरा करना था लेकिन अब विरोध के चलते निर्माण कार्य रुक गया है।

बौराड़ी स्टेडियम बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक असद आलम ने डीएम को ज्ञापन देकर निर्माण स्थल पर आपत्ति दर्ज कराई है। उनका कहना है कि जिला मुख्यालय का बौराड़ी स्टेडियम खेल गतिविधियों के लिए एकमात्र बड़ा मैदान है। यहां शिक्षा विभाग की खेल प्रतियोगिताओं के अलावा क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समय–समय पर आयोजित होते हैं।

खस्ताहाल सड़क और लचर स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में प्रदर्शन

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र को जोड़ने वाली डोबरा–चांठी सड़क के सुधारीकरण, प्रतापनगर ब्लॉक क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग को लेकर क्षेत्र के लोगों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। डीएम को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र मांगों का निराकरण करने की मांग की। ऐसा न होने पर उग्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। सामाजिक कार्यकर्ता प्रिंसी रावत व पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला के नेतृत्व में सोमवार को प्रतापनगर क्षेत्र के लोग जिला मुख्यालय पहुंचे। क्षेत्र की बदहाल सड़कों और लचर स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में प्रदर्शन किया। डीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया है कि प्रतापनगर की लाइफ–लाइन डोबरा–चांठी सड़क लंबे समय खस्ताहाल बनी हुई है।

मंदिर के गर्भगृह में वीडियो रिकॉर्डिंग करते पकड़ा गया यात्री

चमोली। बदरीनाथ धाम की सुरक्षा, गोपनीयता एवं धार्मिक मर्यादाओं को बनाए रखने के लिए चमोली पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में एक व्यक्ति को मंदिर के गर्भगृह में अवैध रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करते हुए पकड़ा गया। जांच के दौरान उक्त व्यक्ति की पहचान जयप्रकाश पांडे निवासी नोहर रोड, मुंबई के रूप में हुई। वह मंदिर के गर्भगृह क्षेत्र में स्पाई कैमरे के माध्यम से अवैध रूप से वीडियो एवं फोटो रिकॉर्डिंग कर रहा था, जो मंदिर की निर्धारित व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है।

मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस द्वारा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध उत्तराखंड पुलिस अधिनियम की धारा 81 के अंतर्गत चालानी कार्रवाई अमल में लाई गई। साथ ही, मंदिर की गोपनीयता, सुरक्षा एवं धार्मिक मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए उसके पास से बरामद सभी अवैध वीडियो एवं फोटो को तत्काल प्रभाव से डिलीट करवाया गया।

कैबिनेट मंत्री ने प्रदीप बत्रा ली अधिकारियों की बैठक

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने हरि्द्वार क्षेत्र के अंतर्गत आगामी कांवड़ यात्रा तथा वर्षाकाल में सम्भावित समस्याओं से निपटने की तैयारियों के संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

मंत्री ने हरिद्वार क्षेत्र के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग के लंबित कार्यों को ससमय पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी कांवड़ यात्रा से पूर्व सभी निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने सड़कों की स्थिति, नालियों की मरम्मत तथा साफ–सफाई तथा अन्य सभी बुनियादी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। मंत्री ने हर की पैड़ी स्थित पंतदीप पार्किंग को जोड़ने वाली सड़क मार्ग पर स्थित नाली के निर्माण का कार्य में तेजी लाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे को हरिद्वार से जोड़ने वाले

मार्ग सहारनपुर–रूड़की–हरिद्वार एक्सप्रेस वे (एसपीयूआर) पर चल रहे कार्यों को भी जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए एनएचएआई को निर्देशित किया। मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य कांवड़ यात्रा को सरल, सुगम एवं सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा में लगभग 04 से 05 करोड़ श्रद्धालु यात्रा करते हैं जिसको देखते हुए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। मंत्री ने कहा किमुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के विजन गड्ढ़ामुक्त उत्तराखण्ड के तहत हरिद्वार क्षेत्र की सभी सड़कों की मरम्मत का कार्य ससमय पूर्ण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया है साथ ही कांवड़ यात्रियों के लिए व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये गये हैं।

इस अवसर पर अपर सचिव पीडब्ल्यूडी महावीर सिंह चैहान, एचओडी आरसी शर्मा, मुख्य अभियंता दयानन्द तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर

कॉलोनी में जल भराव से लोगों की बढ़ी परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वार्ड संख्या-17 मानपुर की आनंद विहार कॉलोनी में वर्षा जल की समुचित निकासी नहीं होने से सड़कों पर जल भराव की समस्या गंभीर होती जा रही है। इस संबंध में सोमवार को वरिष्ठ नागरिक संगठन ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। संगठन के अध्यक्ष पीएल खंतवाल ने बताया कि आनंद विहार कॉलोनी स्थित कार्यालय में हंस फाउंडेशन की ओर से फिजियोथेरेपी सेंटर संचालित किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग उपचार के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान सड़क के दोनों ओर बनी नालियों की सफाई और मरम्मत नहीं होने से वर्षा जल की निकासी बाधित हो जाती है। इसके चलते पानी सड़कों पर जमा होकर सड़क को तालाब का रूप दे देता है, जिससे मरीजों सहित स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने महापौर से मांग की कि सड़क के दोनों ओर बनी नालियों की शीघ्र मरम्मत और सफाई कराई जाए, ताकि वर्षा जल की निकासी सुचारू हो सके और जल भराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

प्रधान के पति पर लगाया आरोप, आयुक्त, डीएम से की शिकायत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : द्वारीखाल ब्लॉक की ग्रामसभा तोली के पूर्व प्रधान धीरज सिंह रावत ने वर्तमान प्रधान के पति पर ग्रामसभा के कार्यों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। कहा कि प्रधान पति के हस्तक्षेप के कारण ग्राम सभा के विकास कार्य प्रभावित हो रहे है। उन्होंने आयुक्त, जिलाधिकारी और पंचायतराज अधिकारी से कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व प्रधान धीरज सिंह रावत ने बताया कि प्रधान के पति पंचायत राज अधिनियम का उल्लंघन कर ग्राम सभा की बैठकों में प्रधान की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आयुक्त और जिलाधिकारी से भी मामले की शिकायत की है। साथ ही जिला पंचायतराज अधिकारी को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में पूर्व प्रधान ने आरोप लगाया कि प्रधान के पति ग्राम सभा में असंवैधानिक कार्य कर रहे हैं। ग्राम प्रधान की गैर मौजूदगी में प्रधान के पति ही बैठकें ले रहे हैं। इससे गांव के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ ही निर्वाचित ग्राम प्रधान पर भी कार्रवाई की मांग की है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए 25 जुलाई तक करें

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) श्रीनगर ने प्रशिक्षण सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 25 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 5 जुलाई निर्धारित थी। प्राचार्य संजीव कुमार ने बताया कि राज्य स्तरीय मेरिट सूची 26 जुलाई को जारी होगी। इसके बाद 27 जुलाई से 2 अगस्त तक अभ्यर्थी विकल्प (चॉइस फिलिंग) भर सकेंगे। प्रथम चरण की काउंसलिंग के तहत संस्थान आवंटन 4 अगस्त को किया जाएगा तथा चयनित अभ्यर्थी 4 से 10 अगस्त तक संबंधित संस्थान में प्रवेश ले सकेंगे। आईटीआई श्रीनगर में इस वर्ष ड्राफ्ट्समैन सिविल, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल, मैकेनिक मोटर व्हीकल, टर्नर, मशीनिस्ट, विद्युतकार, फिटर, सर्वेयर, प्लंबर, आशुलिपि हिंदी, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी और आशुलिपि अंग्रेजी सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश होंगे।

हाईवे पर धमक रहे हाथी, सावधानी से करें सफर

कोटद्वार की खोह नदी में प्यास बुझाने जाते हाथी

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : पिछले दिनों श्री सिद्धबली मंदिर के समीप खोह नदी में मौज-मस्ती कर रहे लोगों को हथिनी ने खदेड़ दिया। सौभाग्य यह रहा कि इस घटना के दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई। माना जा रहा है कि अपने बच्चे के साथ खोह नदी में पानी पीने उतरी हथिनी ने बच्चे की सुरक्षा के दृष्टिगत आक्रामक रूख अपनाया हो।

दरअसल, कोटद्वार क्षेत्र की बात करें तो यहां गर्मियों में हाथी पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकल खोह नदी में उतरते हैं। इस दौरान हाथियों के आसपास जाना खतरनाक हो सकता है। खोह नदी में पानी पीने के लिए हाथियों के झुंड लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर नदी में उतर रहे हैं। भारी गर्मी के बीच जबरदस्त उमस के कारण हाथियों का नदी में उतरने का सिलसिला भी लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में थोड़ी सी असावधानी जानलेवा साबित हो सकती है। कोटद्वार क्षेत्र के हाथी भले ही शांत प्रवृत्ति के हों, लेकिन झुंड में मौजूद शिशु हाथी की सुरक्षा के दृष्टिगत हथिनी कब आक्रामक होकर हमला कर दे, कहा नहीं जा सकता।

भारी पड़ सकता है सेल्फी का शौक

हाथियों के व्यवहार से पूरी तरह अपरिचित युवा सोशल मीडिया में फोटो अपलोड करने के लिए हाथियों के झुंड के समीप पहुंच सेल्फी खींचने का भी प्रयास करते नजर आते हैं, जो कि जानलेवा साबित हो सकता है। भले ही हाथी शांत नजर आ रहा हो, लेकिन कब उग्र हो जाए, कहा नहीं जा सकता। ऐसे में हाथियों के झुंड से दूरी बनाए रखने में ही भलाई है। कई वाहन चालक हाथियों के झुंड के सड़क में होने के बावजूद झुंड के करीब से वाहन निकालने का प्रयास भी करते हैं, जो कि मौत को गले लगाने समान है।

इन बातों का रखे ध्यान

हाथियों का झुंड दूर से देखने में भले ही शांत नजर आए। लेकिन, हाथी कब आक्रामक रूख अख्तियार कर ले, यह कह पाना संभव नहीं। झुंड में शिशु हाथियों की सुरक्षा के प्रति हाथी काफी संवेदनशील होते हैं। झुंड अपने आसपास एक दायरा निश्चित किए रहता है व उस दायरे के भीतर पहुंचने का अंजाम काफी बुरा हो सकता है। इतना ही नहीं, हाथियों के झुंड की ओर कभी पत्थर न फेंके और न ही हाथियों को देख शोर मचाए। इन हरकतों से हाथी आक्रामक रूख अख्तियार कर सकते हैं। सबसे बेहतर यही है कि हाथियों से दूरी बना प्रकृति की इस अनमोल धरोहर कर दीदार करें।

लालपुर में वन विभाग के पार्क के जीर्णोद्धार पर जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालपुर स्थित घराट रोड में पिछले कई वर्षों से बदहाल पार्क के सौदर्यीकरण का वरिष्ठ नागरिक संगठन ने स्वागत किया है। कहा कि स्थानीय जनता पिछले लंबे समय से पार्क को बेहतर रूप देने की मांग उठा रही थी। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पार्क लंबे समय से देखरेख के अभाव में बदहाल स्थिति में था, जिसके चलते स्थानीय लोगों का वहां आना-जाना कम हो गया था। विशेष रूप से बुजुर्ग नागरिकों के लिए यह पार्क पहले एक महत्वपूर्ण बैठने और घूमने का स्थान हुआ करता था, लेकिन खराब स्थिति के कारण यह लगभग सूना पड़ा था। संगठन के सदस्यों ने बताया कि इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसके बाद अब पार्क के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मरम्मत और सुधार कार्य पूरा होने के बाद पार्क की रौनक फिर से लौट आएगी और लोग पहले की तरह इसका उपयोग कर सकेंगे। इस अवसर पर पीएल खंतवाल, रिपुदमन सिंह बिष्ट और आरपी पंत सहित कई लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस की कोटद्वार जिला कार्यकारिणी का विस्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कांग्रेस ने सांगठनिक जनपद कोटद्वार की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नई टीम की घोषणा की है। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव सहित विभिन्न पदों पर कई नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने बताया कि नई कार्यकारिणी में दस उपाध्यक्ष और 15 महासचिव नियुक्त किए गए हैं। उपाध्यक्ष पद पर गंभीर रावत, होशियार सिंह नेगी, सुभाष शर्मा, मनमोहन सिंह असवाल, राकेश कुमार, सुखबीर सिंह नेगी, धर्मेंद्र गोयल, हुकुम उनियाल, प्रमोद रावत और अजयपाल सिंह रावत को नियुक्त किया गया है। महासचिव पद की जिम्मेदारी कीर्ति सिंह बिष्ट, शंकर नेगी, जसपाल रावत, गंगा देवी, क्रांति कपरवाण, राकेश रावत, दिनेश सिंह नेगी, मनोज रावत, हरेंद्र रावत, दिनेश चौधरी, महावीर सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रदीप गुसाईं, कुंदन सिंह और विमल बिष्ट को दी गई है। इसके अलावा सचिव पद पर देवेंद्र कुमार, हरेंद्र रौथाण, नरेंद्र सिंह बिष्ट, कमलेश चंद, राजपाल बिष्ट, बिजेंद्र प्रसाद, कुलदीप रावत, बलवीर पंवार, मेहरबान सिंह कंडारी, जितेंद्र सिंह गुसाईं, सुरेंद्र सिंह गुसाईं, हर्षवीर बिष्ट, रमेश नेगी, प्रीतपाल सिंह रावत, रमेश चंद्र, संदीप कुमार, ओम चंद, जितेंद्र कुमार, बचन सिंह भारती और रुपेंद्र रावत को नियुक्त किया गया है।

सेवानिवृत्त कैप्टन दीपक सिंह बिष्ट को कार्यालय सचिव, सुदीप घिल्डियाल और महावीर सिंह को प्रवक्ता तथा कमल बिष्ट को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं वरुण नेगी को सोशल मीडिया प्रभारी और लक्ष्मण सिंह रावत को प्रेस मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि नई कार्यकारिणी के सभी सदस्य संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ जनता के हितों की लड़ाई को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

केदार मोहल्ले वासियों ने अलग ट्रांसफार्मर लगाने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : केदार मोहल्ले में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बिजली कटौती से परेशान लोगों ने सोमवार को वार्ड पार्षद मीना असवाल के नेतृत्व में विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर अलग ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि भीषण गर्मी के बीच पिछले चार दिनों से मोहल्ले में बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। कहा कि लगातार हो रही कटौती के कारण लोगों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है, बिजली नहीं रहने से पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और आम लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। वार्डवासियों ने बताया कि वर्तमान ट्रांसफार्मर पर अधिक भार होने के कारण बार-बार फॉल्ट की समस्या सामने आ रही है। उन्होंने विद्युत विभाग से केदार मोहल्ले के लिए अलग ट्रांसफार्मर स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुचारु होगी और लोगों को बार-बार होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी।

पेट्रोल पंप कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बागवान स्थित एक पेट्रोल पंप पर कार्यरत युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। कोतवाली निरीक्षक संजय मिश्रा ने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक बागवान स्थित पेट्रोल पंप पर नौकरी करता था। देर रात की घटना में वह पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरों में पहले पंप से बाहर जाता हुआ दिखाई दिया। कुछ देर बाद वह दोबारा पेट्रोल पंप की ओर लौटा, लेकिन लौटने के बाद उसे अचानक खून की उल्टियां होने लगीं। हालत बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

क्रम सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये (Rs.)	अग्रिम धन रुपये (Rs.)	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	2RT3-SNT-T-RAILNET-22-23 मुरादाबाद डिवीज़न के प्रमुख स्टेशनों, डिपो और स्टोर पर रेलनेट कनेक्टिविटी।	31997196.04	640000.00	निल	30.07.2026 15:00
2	54-ST-Rlnt-Kumbh-MB-25-26 कुंभ मेला 2027 के लिए हरिद्वार और आस-पास के स्टेशनों पर रेलनेट/IPDSLM की व्यवस्था, जिसमें टेलीकॉम केबल बिछाना भी शामिल है।	19612500.86	392300.00	निल	30.07.2026 15:00
3	01RT1-TELE-8-shed-MB-2025 मुरादाबाद डिवीज़न के आठ गुड्स शेड (SEO, AWP, DPR, BJO, DUB, IQB, RK, BEK) में इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था/अपग्रेडेशन।	23742567.62	474900.00	निल	30.07.2026 15:00
4	1RT1-TELE-6-Gshed-MB-2025 मुरादाबाद डिवीज़न के छह गुड्स शेड (RMU, AMRO, BSC, HPU, HRI और ROZA) में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं, मॉनिटरिंग सिस्टम और FOIS/TMS की व्यवस्था/अपग्रेडेशन।	17318903.79	346400.00	निल	30.07.2026 15:00
5	02RT-SNT-TWS-MB-2025-26 टीटीआर-160 सेट्स (अफ एस + टी डब्लू एस + डब्लू सी ऍम एस = 28 सेट्स, टी डब्लू एस + डब्लू सी ऍम एस = 15 सेट्स ओनली अफ एस 116 सेट्स, ट्रैप -1 सेट) ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	11735026.66	234700.00	निल	30.07.2026 15:00
6	01RT-SNT-TWS-MB-2025-26 टीटीआर-117 सेट्स (अफ एस + टी डब्लू एस + डब्लू सी ऍम एस = 28 सेट्स, टी डब्लू एस + डब्लू सी ऍम एस = 16 सेट्स ओनली अफ एस 73 सेट्स) ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	11735026.66	234700.00	निल	30.07.2026 15:00
7	SNT-AMC-Eldyne-MSDAC-MB-2 कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ एलडयन मेक (मुल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर) एमएसडीएसी ओवर मुरादाबाद डिवीज़न फॉर थ्री इयर्स	10453460.40	209100.00	निल	30.07.2026 15:00
8	SNT-AMC-Sigma-MSDAC-MB-20 कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (CAMC) ऑफ़ मेसर्स सिग्मा (Altpro) रेल सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड मेक मुल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर सिस्टम (MSDACs) इन्सटाल्ड एट डिफरेंट लोकेशन (स्टेशन) इन मुरादाबाद डिवीजन फॉर पीरियड ऑफ़ थ्री इयर्स	21193488.00	423900.00	निल	30.07.2026 15:00
9	10/Statcon/S&T/Sig/MB/2022-23 कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ़ इंटीग्रेटेड पॉवर सप्लाई आई पी एस ऑफ़ statcon मेक फॉर थ्री इयर्स ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	48085506.96	961700.00	निल	30.07.2026 15:00

नोटः- निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice no.- 2RT3-SNT-T-RAILNET-22-23, Rlnt-Kumbh, 8-shed, 6-Gshed, 02RT, 01RT, eldyne, sigma, MSDAC-AMC-IPS-Statcon Date: 04.07.2026 2296/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डा. मुखर्जी के समाज और देश हित में किए गए कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, प्रदेश मंत्री नलिन भट्ट, सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल तथा भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद सभी अतिथियों ने डा. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता ज्योति प्रसाद गैरोला ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रवाद आधारित राजनीति और स्वतंत्र भारत के औद्योगिक विकास के प्रमुख शिल्पकार थे।

उन्होंने बताया कि देश के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में वर्ष 1948 में प्रस्तुत औद्योगिक नीति ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी। प्रदेश मंत्री नलिन भट्ट ने कहा कि डा. मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर देश को एक सशक्त वैचारिक विकल्प दिया। वहीं ऋषि कंडवाल ने कहा कि उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर आधारित राजनीति की मजबूत आधारशिला रखी, जिसे भाजपा आगे बढ़ा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि डा. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, संगठन निर्माण और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति का प्रेरणास्रोत है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कार्यकर्ताओं से उनके राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र अंथवाल, जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य, नगर अध्यक्ष विकास मित्तल, हरी सिंह पुंडीर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि

स्कूल में किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पौध रोपण करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भारत विकास परिषद के तत्वावधान में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के कुल 25 पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत विकास परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर आम, अमरूद, जामुन, नीम, आंवला और अशोक सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों, आंगन और खाली स्थानों में अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में योगदान दें। इस मौके पर प्रदीप अग्रवाल, मीनाक्षी शर्मा, बीना मित्तल, शीला कुकरेती, राधेश्याम शर्मा, कैलाश चंद्र अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, रीता जखमोला, पूनम नैथानी, मंजू बड़थ्वाल और सेवक राम मनूजा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण (पौड़ी गढ़वाल)

E-mail: thalisaingdc@gmail.com
Website: www.thalisaingdc.ac.in

पत्रांक / नि0कार्य /2026-27 दिनांकः 06 जुलाई, 2026

जिलाधिकारी महोदय, पौड़ी की ओर से महाविद्यालय थलीसैंण में निम्न कार्य के सम्पादन शासकीय विभाग / किसी शासकीय कन्सटेक्शन विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा/कोटेशन आंमत्रित की जाती है। जिसमें निविदा विक्रय की दिनांक 13.07.2026 को सांय 03:00 बजे तक एवं मुहरबन्द निविदायें दिनांक 20.07.2026 को 12:00 बजे तक डाली जानी है, जो दिनांक 20.07.2026 को सांय 02:00 बजे अपराहन को उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरी अथवा मनोनीत सदस्यों के सम्मुख कार्यालय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में खोली जायेगी।

नियम एवं शर्ते कार्यालय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैण में देखी जा सकती है। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार समिति का होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि 3 प्रतिशत (रू0)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1.	महाविद्यालय में शौचालय ब्लॉक का निर्माण।	11.45 लाख	34100.00	500.00	2 माह	14 दिन	ई

1. ठेकेदार द्वारा कार्य की अनुमानित लागत 3 प्रतिशत की धनराशि एन0एस0सी0/राष्ट्रीयकृत बैंक से सी0डी0आर0 जो कि प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण के नाम से बन्धक हो निविदा/कोटेशन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
2. निविदा के साथ 100.00 रू का स्टाम्प पेपर पर 1.00 रू0 की रसीदी टिकट हस्ताक्षर युक्त होना चाहिए।
3. बिना धरोहर के किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
4. अपूर्ण / सशर्त निविदा/ऐसा निविदा जिससे कार्य सम्पादन कराने पर कार्य की गुणवत्ता खराब होने की पूण सम्भावना प्रतीत हो स्वीकार नहीं की जायेगी।
5. यदि कोई ठेकेदार निविदा प्रपत्र डाक से मांगना चाहता हो तो वह निविदा प्रपत्र का डाक मूल्य व्यय सहित समय से भेजकर प्राप्त कर सकते है, विलम्ब से डाक प्राप्त होने पर विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
6. मेनुअल फार्म संख्या 76/ जी0पी0डब्ल्यू0 9 जो लागू हो समस्त शर्ते इस निविदा के साथ मान्य होंगी।
7. निविदा में शिड्यूल बी का मदवार कार्यों की अंकित मात्रा घाटांई-बढ़ाई जा सकती है, जिसके लिए ठेकेदार का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।
8. निविदा स्वीकृत होने पर एक सप्ताह अन्दर धरोहर धनराशि समायोजित करते हुए पूरी 10 प्रतिशत जमानती धनराशि जमा करनी होगी।
9. ठेकेदार से बीजक नियमानुसार आयकर / ब्रिकीकर/जी0एस0टी0 की कटौती की जायेगी।
10. निरीक्षण के उपरान्त कार्य में यदि कोई कमी पाई जाती है या कोई वसूली निकाली जाती है तो उसका उत्तरदायित्व ठेकेदार को वहन करना पड़ेगा। अवाश्यकता पड़ने पर टी0ए0सी0 की जांच के उपरान्त ठेकेदार की जमानत धनराशि वापस कर दी जायेगी।
11. निविदा ठेकेदार को निवदा क्रय करते समय पंजीकरण प्रमाण पत्र (लाइसेन्स) साथ लाना अनिवार्य होगा। लाइसेन्स दिखाये बिना निविदा फार्म दिया जाना सम्भव नहीं होगा।
12. निविदा ठेकेदार द्वारा मदवार न देकर प्रतिशत दरों में ही मान्य होगी।
13. निविदा को बिना किसी कारण निरस्त करने का अधिकारी अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

भवदीय,
प्राचार्य
राजकीय स्नात0 महाविद्यालय
थलीसैण (पौड़ी गढ़वाल)

संपादकीय

विकास की धुरी, प्रवासी उत्तराखंडी

उत्तराखंड सरकार का देश–विदेश में बसे उत्तराखंडवासियों से विकसित और आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में निरंतर सहयोग का आह्वान करना राज्य के लोगों को उनकी जमीन से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। उत्तराखंड देवभूमि होने के साथ–साथ अपनी विशिष्ट संस्कृति, लोकभाषाओं, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के लिए भी जाना जाता है। वर्ष 2000 में राज्य गठन के पीछे मुख्य उद्देश्य पहाड़ के लोगों की समस्याओं का समाधान करना तथा स्थानीय निवासियों के हितों की रक्षा करना था। आज भी राज्य के मूल निवासियों के सामने पलायन, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और भूमि संरक्षण जैसी अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। ऐसे में राज्य सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ स्थानीय लोगों के जीवन पर सीधा प्रभाव डालती हैं। उत्तराखंड सरकार ने पिछले वर्षों में मूल निवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई कदम उठाए हैं। पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन को रोकने के लिए मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को अपने ही गांवों में स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है, जिससे वे रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन न करें।

सीमांत और दूरस्थ क्षेत्रों के विकास के लिए मुख्यमंत्री बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम भी चलाया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि सीमावर्ती गांव आबाद रहें और स्थानीय लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्वरोजगार, महिला स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण उद्यमों तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। "हाउस ऑफ हिमालयाज" जैसे प्रयास राज्य के पारंपरिक उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास करते हैं, जिससे स्थानीय किसानों, महिलाओं और कारीगरों की आय में वृद्धि हो सके।भूमि संरक्षण का विषय उत्तराखंड के मूल निवासियों के लिए अत्यंत संवेदनशील रहा है। राज्य सरकार ने भूमि कानूनों में संशोधन कर पर्वतीय जिलों में कृषि एवं बागवानी भूमि की खरीद पर बाहरी लोगों के लिए प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू किए हैं। सरकार का तर्क है कि इससे स्थानीय भूमि संसाधनों की सुरक्षा होगी और अनियंत्रित भूमि खरीद पर रोक लगेगी। इसके अतिरिक्त सड़क, आवास, कौशल विकास, ग्रामीण आजीविका, मनरेगा तथा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से भी मूल निवासियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य सरकार का "विकसित उत्तराखंड 2035" विजन भी पहाड़ी क्षेत्रों के संतुलित विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर बल देता है। हालांकि इन योजनाओं के बावजूद कई चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। बड़ी संख्या में गांव खाली हो रहे हैं, युवाओं में बेरोजगारी चिंता का विषय है तथा मूल निवास और स्थायी निवास से जुड़े मुद्दों पर समय–समय पर जनभावनाएँ सामने आती रहती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं के साथ–साथ स्थानीय संस्कृति, भाषा, जल–जंगल–जमीन और जनसांख्यिकीय संतुलन की रक्षा पर भी विशेष ध्यान दे। मूल निवासियों के कल्याण को ध्यान में रखकर बनाई गई योजनाओं का यदि प्रभावी क्रियान्वयन हो और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, तो उत्तराखंड न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध बनेगा बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल स्वरूप को भी सुरक्षित रख सकेगा।

क्षमा से ही खिलता है जीवन का सच्चा सौंदर्य

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।

क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।

विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।

क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है।

जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया। भगवान महावीर ने अपने विरोधियों के प्रति भी करुणा और क्षमा का भाव रखा। भगवान राम ने अपने धैर्य और विनम्रता से अनेक कठोर परिस्थितियों को सहज बना दिया। भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि के पदाघात को भी सहजता से स्वीकार किया। भगवान बुद्ध ने अपमान और कटु वचनों का उत्तर भी शांत मुस्कान से दिया। महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के साथ क्षमा को अपने जीवन का आधार बनाया। इन सभी महापुरुषों ने सिद्ध किया कि क्षमा दुर्बलता नहीं बल्कि आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।

आज का समाज अनेक प्रकार के तनाव, पारिवारिक विघटन, सामाजिक संघर्ष और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। ऐसे समय में विश्व क्षमा दिवस हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन बहुत छोटा है। यदि हम क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष को अपने भीतर स्थान देते रहेंगे तो सबसे अधिक नुकसान हमारा ही होगा। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को शुद्ध करें, दूसरों की भूलों को क्षमा करें और अपनी भूलों के लिए विनम्रता से क्षमा मांगें। यही आत्मविकास का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग है।

विश्व क्षमा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, मैत्री और क्षमा ही स्थायी सुख के आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमा का भाव विकसित कर ले तो परिवारों में प्रेम बढ़ेगा, समाज में सौहार्द स्थापित होगा और विश्व में शांति का वातावरण बनेगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागकर प्रेम और सद्भाव के दीप जलाएँ। आइए, इस विश्व क्षमा दिवस पर हम संकल्प लें कि किसी भी व्यक्ति के प्रति मन में वैरभाव नहीं रखेंगे। यदि हमसे किसी के प्रति कोई भूल हुई है तो विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगेंगे और जिसने हमें कष्ट पहुँचाया है, उसे भी खुले मन से क्षमा करेंगे। यही आत्मशुद्धि का मार्ग है, यही धर्म का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी विजय है। सच ही कहा गया है–

प्रेम क्षमा सद्भाव का संवत्सर दिन खासआतप घटे कषाय का बढ़े धर्म की प्यास।

डिजिटल पायरेसी पर निर्णायक प्रहार जवाबदेही के नए दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म

विनोद कुमार सिंह

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मनोरंजन,शिक्षा,व्यापार, पत्रकारिता और संचार का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर है।तकनीकी विकास ने रचनात्मक उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं,वहीं डिजिटल पायरेसी जैसी चुनौती भी उतनी ही गंभीर होती गई है।कभी पायरेटेड सीडी और डीवीडी इस अवैध कारोबार का माध्यम थीं, फिर टोरेंट वेबसाइटों का दौर आया और अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म,क्लाउड स्टोरेज,निजी डिजिटल समूह तथा स्वचालित बॉट नेटवर्क पायरेटेड सामग्री के प्रसार के नए माध्यम बन चुके हैं। ऐसे परिदृश्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा Telegram को जारी नोटिस केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल शासन व्यवस्था में उभर रहे नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत है।सरकार ने Telegram से अपेक्षा की है कि वह केवल शिकायत मिलने पर सामग्री हटाने तक सीमित न रहे,बल्कि अपने प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड फिल्मों, ओटीटी सामग्री और अन्य कॉपीराइट संरक्षित ऑडियो- विजुअल कंटेंट की पहचान, रोकथाम और निष्कासन के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे तथा निर्धारित समय में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह संदेश भी स्पष्ट है कि डिजिटल मध्यस्थ होने का अर्थ केवल तकनीकी मंच उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि कानून के अनुरूप आवश्यक सावधानी और उत्तरदायित्व का पालन करना भी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत विश्व के सबसे बड़े फिल्म निर्माण देशों में शामिल होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओटीटी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।भारतीय भाषाओं की फिल्में और वेब सीरीज आज वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही हैं। डिजिटल माध्यमों ने छोटे शहरों के कलाकारों,स्वतंत्र फिल्मकारों और नए रचनाकारों को भी विश्वस्तरीय मंच प्रदान किया है।यह परिवर्तन केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की उभरती हुई क्रिएटर इकोनॉमी का आधार बन चुका है। डिजिटल पायरेसी का सबसे बड़ा नुकसान केवल फिल्म निमार्ता तक सीमित नहीं रहता।किसी भी फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में लेखक,निर्देशक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता, तकनीशियन, कैमरामैन, संपादक, ध्वनि विशेषज्ञ,ग्राफिक्स कलाकार, वितरक,प्रचार एजेंसियाँ और हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर्मचारी जुड़े होते हैं। किसी फिल्म की वैध आय में कमी का अर्थ इन सभी के श्रम और निवेश का अवमूल्यन है। यही कारण है कि विकसित देशों में बौद्धिक संपदा संरक्षण को आर्थिक विकास,नवाचार और निवेश की अनिवार्य शर्त माना जाता है।भारत में भी कॉपीराइट संरक्षण के लिए पर्याप्त कानूनी व्यवस्था उपलब्ध है।सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000,सूचना प्रौद्योगिकी(मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021,कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधान डिजिटल माध्यमों पर होने वाले उल्लंघनों से निपटने का आधार प्रदान करते हैं। न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जॉन डो अथवा अशोक कुमार आदेश तथा डायनेमिक इंजंक्शन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से यह स्वीकार किया है कि डिजिटल अपराध स्थिर नहीं होते, इसलिए उनके समाधान भी तकनीक के अनुरूप गतिशील होने चाहिए।विश्व के अनेक देशों ने इसी अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही बढ़ाई है।अमेरिका में डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट,यूरोपीय संघ में डिजिटल सर्विसेज एक्ट तथा जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नीतियाँ इस दिशा में स्पष्ट संकेत देती हैं कि तकनीकी कंपनियाँ केवल निष्क्रिय माध्यम बनकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। भारत का वर्तमान दृष्टिकोण भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है।

हालाँकि यह विषय केवल कानून लागू करने का नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आज शिक्षा,शोध, व्यापार,नागरिक संवाद और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के भी प्रमुख माध्यम हैं।करोड़ों भारतीय Telegram जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग पूरी तरह वैध उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसलिए पायरेसी के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वैध उपयोगकताओं की निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर अनावश्यक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। लोकतांत्रिक शासन की सफलता इसी संतुलन में निहित है कि अपराध पर कठोरता हो, लेकिन नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियों ने डिजिटल पायरेसी को और जटिल बना दिया है।पहले किसी पायरेटेड फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए संगठित नेटवर्क की आवश्यकता होती थी,जबकि अब कुछ ही मिनटों में स्वचालित बॉट,निजी समूह और क्लाउड लिंक के माध्यम से वही सामग्री हजारों स्थानों तक पहुँच सकती है। परिणामस्वरूप केवल सामग्री हटाने की पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। दुनिया भर में अब रोकथाम, पूर्व पहचान और तकनीकी निगरानी आधारित मॉडल पर अधिक बल दिया जा रहा है।भारत के सामने भी यही चुनौती है।किसी एक प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करके डिजिटल पायरेसी की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति ऐसी है कि एक माध्यम बंद होने पर दूसरा सक्रिय हो जाता है। इसलिए सरकार ,डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरनेट सेवा प्रदाता, फिल्म उद्योग,ओटीटी कंपनियाँ, साइबर विशेषज्ञ और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सतत समन्वय विकसित करना होगा। यह केवल कानूनी नहीं,बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग का भी विषय है। रचनात्मक उद्योगों को भी समय के अनुरूप अपनी रणनीति बदलनी होगी।अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जब फिल्में और डिजिटल सामग्री उचित मूल्य पर,उच्च गुणवत्ता के साथ और समय पर वैध मंचों पर उपलब्ध होती हैं,तब पायरेसी स्वतः घटती है।इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ता-अनुकूल डिजिटल पारिस्थितिकी,तेज वैध वितरण और किफायती सेवाएँ भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इसके साथ-साथ समाज में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।हमारे यहाँ अक्सर बिना भुगतान के फिल्म या वेब सीरीज देखना गंभीर अपराध नहीं माना जाता,जबकि वास्तव में यह किसी रचनाकार के श्रम और अधिकार का अतिक्रमण है।जिस प्रकार भौतिक संपत्ति की चोरी सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है, उसी प्रकार बौद्धिक संपदा की चोरी को भी नैतिक और सामाजिक स्तर पर अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और शिक्षा से आएगा।ळी ींि को जारी नोटिस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत में व्यापार करने वाली डिजिटल कंपनियों को भारतीय कानूनों के अनुरूप उत्तरदायी भी होना होगा।भविष्य में संभव है कि अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए भी इसी प्रकार के मानक विकसित किए जाएँ।यदि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और तकनीकी रूप से सक्षम ढंग से किया जाता है,तो भारत अपनी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के साथ-साथ वैश्विक डिजिटल शासन के क्षेत्र में भी संतुलित और उत्तरदायी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति केवल आधारभूत संरचना, विनिर्माण और निवेश से संभव नहीं होगी। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रचनात्मक उद्योग भी भारत की भविष्य की आर्थिक शक्ति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इन क्षेत्रों में निवेश तभी बढ़ेगा,जब रचनाकारों को यह विश्वास होगा कि उनके श्रम,प्रतिभा और निवेश की प्रभावी कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। डिजिटल युग में यह केवल फिल्मों की पायरेसी का प्रश्न नहीं रह गया है।यह उस विश्वास की रक्षा का प्रश्न है,जिसके आधार पर कोई लेखक पुस्तक लिखता है,कोई संगीतकार धुन रचता है,कोई फिल्मकार करोड़ों रुपये का निवेश करता है और कोई युवा डिजिटल मंच पर अपने सपनों को आकार देता है।

योगी के घर लंच, केशव के घर चाय और ब्रजेश के घर आम पार्टी के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

नीरज कुमार दुबे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को केवल दावतें नहीं हुईं, बल्कि भाजपा ने लंच, मैंगो पार्टी और चाय पार्टी के जरिए 2027 की चुनावी एकजुटता का खुला संदेश दिया। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ दृश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते बल्कि वे सीधे सत्ता और संगठन के भीतर के संदेश बन जाते हैं। वर्ष 2022 के चुनावों से ठीक पहले जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे थे, उसी राजनीतिक संकेत को भाजपा ने इस बार और ज्यादा व्यापक रूप में दोहराया। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार तस्वीर और भी ज्यादा मजबूत दिखाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेताओं का साथ में लंच, फिर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के यहां मैंगो पार्टी और उसके बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर चाय पार्टी ने साफ कर दिया कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। योगी, केशव और ब्रजेश की साझा मौजूदगी ने केंद्रीय नेतृत्व को यह भरोसा दिला दिया कि 2027 का चुनाव भाजपा पूरी राजनीतिक एकजुटता, संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ लड़ेगी। सत्ता, संगठन और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि चुनावी बिगुल बज चुका है और पार्टी अब पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी है।

देखा जाये तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा। दिन की शुरूआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से हुई, जहां संगठन की पुरानी ताकत, पुराने अनुभव और आने वाले चुनाव की नई रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा इस बार चुनाव को केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक अभियान के रूप में देख रही है।

लेकिन असली राजनीतिक संदेश तब सामने आया जब औपचारिक बैठकों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपने अंदाज को पूरी तरह राजनीतिक प्रतीकों में बदल दिया। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पहुंचे, जहां आम पार्टी आयोजित की गई थी। राजनीतिक तपिश के बीच आम की मिठास ने माहौल को हल्का जरूर किया, लेकिन इसके भीतर छिपा संदेश बेहद गंभीर था।

ब्रजेश पाठक ने सभी नेताओं का स्वागत किया और प्रदेश के प्रसिद्ध आम परोसे। माहौल में राजनीतिक तनाव की जगह सहज बातचीत, हंसी और आत्मीयता दिखाई दी। सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथ में आम उठाया, उसे दांतों से छीलते हुए मुस्कुराए और फिर उसका स्वाद लिया। वहां मौजूद नेताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक अनौपचारिक क्षण नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की अंदरूनी सहजता और पारस्परिक विश्वास का सार्वजनिक प्रदर्शन भी था।

आम पार्टी के बाद पूरा काफिला उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंचा, जहां चाय पार्टी आयोजित की गई। यहां नितिन नवीन का पारंपरिक अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की गई। योगी आदित्यनाथ, बीएल संतोष, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया।

दरअसल, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल विकास योजनाओं या चुनावी नारों से नहीं जीता जाता, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक समीकरणों की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि 2022 से पहले जिस तरह योगी आदित्यनाथ का केशव मौर्य के घर जाना चर्चा का केंद्र बना था, उसी तरह इस बार भी वही तस्वीर दोहराकर भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की कि पार्टी में कोई दूरी नहीं है, कोई खेमेबाजी नहीं है और पूरा नेतृत्व एक साथ खड़ा है।

नितिन नवीन ने भी अपने पूरे दौरे के दौरान बार-बार यही संकेत दिया कि यह समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार का समय है। भाजपा की रणनीति साफ दिखाई दी। एक ओर संगठन को सक्रिय करना, दूसरी ओर राजग सहयोगियों को साथ लेकर चलना और तीसरी ओर नेतृत्व की एकजुट तस्वीर को जनता के सामने रखना।

ताज होटल में आयोजित राजग सहयोगियों की बैठक में राष्ट्रीय लोक दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल के नेताओं ने जिस तरह 2027 में ऐतिहासिक जीत का दावा किया, उसने भाजपा की चुनावी तैयारियों को और स्पष्ट कर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा 2027 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है, न कि गुंडाराज और परिवारवाद।

देखा जाये तो भाजपा की पूरी कवायद का सबसे बड़ा संदेश यही था कि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव केवल सीटों का संघर्ष नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक मनोबल, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व की एकजुटता की भी परीक्षा होगा। योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की एक साथ मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है और पार्टी अब हर स्तर पर अपने कार्यकताओं, सहयोगियों और समर्थकों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि सत्ता और संगठन दोनों पूरी तरह एक सुर में हैं। लखनऊ में रविवार को दिखाई दी यह राजनीतिक तस्वीर केवल चाय और आम पार्टी की तस्वीर नहीं थी, बल्कि 2027 की चुनावी पटकथा का पहला सार्वजनिक दृश्य थी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को 'दोषपूर्ण' बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला 'एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था।' न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को 'दुनिया का पुलिसकर्मी' बनने की आवश्यकता नहीं है। विभाग ने 2024 में जो बाइडन प्रशासन के तहत अदाणी और अन्य पर आरोप लगाए थे। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की योजना में शामिल होने का आरोप था। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने अमेरिकी निवेशकों से कम से कम 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। न्याय विभाग ने कहा कि अभियोजकों को मामले छोड़ने के निर्णयों को सार्वजनिक रूप से उचित ठहराने की आवश्यकता भविष्य में ऐसी बर्खास्तगियों को हतोत्साहित करेगी। यह आंतरिक विचार-विमर्श को उजागर करेगा और कार्यकारी शाखा के सांविधानिक अधिकार का उल्लंघन करेगा।

ईरान : गाजा-लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई पर भड़के पेजेशकियन, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को घेरा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने अमेरिका पर इस्राइल को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और प्रभावशाली लोगों की निशाना बनाकर हत्याएं की गई हैं। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमाम खामेनेई; द इटरनल लीडर ऑफ रेजिस्टेंस' में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करती हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल रही हैं। पेजेशकियन ने कहा, अगर इस्लामी देश मिलकर काम करें तो गाजा, लेबनान और फलस्तीन में संघर्ष और मानवीय संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस्लामी संप्रदायों और जातीय समूहों में विभाजन बाहरी ताकतों को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई का मार्गदर्शन दुनियाभर में आज भी प्रेरणा देता है। उनका संदेश एकता, गरिमा, स्वतंत्रता और प्रतिरोध के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत हो गया है। राष्ट्रपति ने घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन इस्लामी दुनिया में एकता और सहयोग को मजबूत करेगा तथा हिंसा, आतंकवाद और प्रभुत्व (दबदबे) की नीतियों के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने अली खामेनेई की मौत का जिक्र किया और इसे दुखद लेकिन प्रेरणादायक बताया। पेजेशकियन ने कहा कि ऐसे दिव्य नेताओं के विचार उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों को न्याय और प्रतिरोध की राह पर प्रेरित करते रहते हैं।

कांगो में छात्रों को ले जा रही नाव नदी में डूबी, कम से कम 20 लोगों की मौत

किंशासा, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में राज्य स्तरीय परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही एक नाव शुक्रवार को नदी में डूब गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह नाव कसाई प्रांत में संकुरू और कसाई नदियों के संगम क्षेत्र में प्रवेश करते समय डूब गई। कांगो में नाव हादसे आम हैं। देर रात यात्रा, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐसे हादसों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। कसाई प्रांत के इलेबो क्षेत्र के प्रशासक फ्रांस्वा कबुला ने कहा, '80 लोगों को बचा लिया गया है और 20 शव बरामद किए गए हैं।' हालांकि, हादसे के प्रत्यक्षदर्शी त्शिकुडी जीन ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि नाव में 200 से अधिक लोग सवार थे।

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की जांच की

वाशिंगटन, एजेंसी। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए। फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं। सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का एक सोच-समझकर और व्यवस्थित तरीके से चलाया गया ऑपरेशन था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, कैदियों, अस्पताल के मरीजों, पूर्व सैनिकों और आम लोगों को उनकी जानकारी या सहमति के बिना एलएसडी,

इलेक्ट्रोशॉक, सम्मोहन (हिप्नोसिस), सेंसरी डिप्राइवेशन (इंद्रियों को संवेदना से वंचित रखना) और मानसिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। लुना ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीआईए निदेशक रिचर्ड हेल्स ने 1973 में पद छोड़ने से पहले एमके-अल्ट्रा फाइलकों को नष्ट करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने 'न्याय में बाधा' और 'संघीय अभिलेखों का आपराधिक विनाश' बताया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एमके-अल्ट्रा के अतिरिक्त अभिलेखों की खोज की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने और प्रतिनिधि एरिक बर्लिसन ने हाल ही में सीआईए मुख्यालय का दौरा किया था। लुना ने कहा, 'सीआईए वर्तमान में हाल ही में मिले दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने आगे कहा कि ये रिकॉर्ड एमके-अल्ट्रा के तहत चलाए जा रहे एक जालसाजी कार्यक्रम से संबंधित हैं। पॉइजनर इन चीफ के लेखक किंजर ने गवाही दी कि यह प्रोग्राम अमेरिका और विदेशों में जेलों, क्लीनिकों और सेफ हाउस तक फैला हुआ था। उन्होंने कहा, 'इंसान के दिमाग और शरीर को खत्म करने के तरीकों की तलाश में एमके-अल्ट्रा ने मानव पर अब तक के सबसे खतरनाक एक्सपेरिमेंट किए, जो किसी अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने कभी नहीं किए।' उन्होंने कहा कि किसी भी स्टैंडर्ड से वे मेडिकल टॉर्चर के तौर पर सही हैं। उन्होंने कहा कि बचे हुए रिकॉर्ड दिखाते हैं कि एमके-अल्ट्रा में कम से कम 149 सबप्रोजेक्ट्स थे, जिनमें 80 से ज्यादा इंस्टीट्यूशन और 185 नॉन-गवर्नमेंट रिसर्चर शामिल थे। किंजर ने कांग्रेस से डीक्लासिफाइड फाइलों से बाकी बचे हुए बदलावों को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अब 70 साल बीत चुके हैं। यह बात अब वैलिड नहीं रह सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस कमेटी से आग्रह करूंगा कि हमारे पास जो डॉक्यूमेंट्स हैं, उनमें सभी खाली जगहों को भरने की कोशिश करे। ओ'नील, जो 'कैओस' के लेखक हैं, ने सांसदों से कहा कि उनका मानना ??है कि पिछली कांग्रेस की जांच में प्रोग्राम का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कांग्रेस को इस कार्यक्रम की वास्तविक उपलब्धियों के बारे में कभी सच नहीं बताया गया। एजेंसी ने 1977 में कांग्रेस को गुमराह किया था जब उसने एमके-अल्ट्रा को एक असफल कार्यक्रम बताया था। उन्होंने गवाही दी कि उनके शोध में मनोचिकित्सक लुई जोल्योन वेस्ट और सिडनी गॉटलिब, जो एमके-अल्ट्रा का नेतृत्व करने वाले सीआईए वैज्ञानिक थे, के बीच पत्राचार का पता चला, जिसमें एलएसडी, सम्मोहन और अनजाने मानव विषयों से जुड़े प्रयोगों पर चर्चा की गई थी। ओ'नील के अनुसार, उन्हें मिले दस्तावेजों में अनिच्छुक व्यक्तियों से सच्ची जानकारी निकालने और उनमें झूठी जानकारी डालने तथा पहले से वफादार व्यक्तियों के दृष्टिकोण और विश्वासों को बदलने के प्रयासों का वर्णन किया गया है। सांसदों ने गवाहों से बार-बार उन आरोपों के बारे में सवाल किए कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, जेलों और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल सीआईए द्वारा वित्त पोषित संगठनों के माध्यम से गुप्त प्रयोग करने के लिए किया गया था। ओ'नील ने लेक्सिंगटन एडिक्शन सेंटर, लैकलैंड एयर फोर्स बेस हॉस्पिटल, होम्सबर्ग जेल, वैकाविल जेल और कई विश्वविद्यालयों सहित उन संस्थानों की पहचान की, जो सुनवाई के दौरान चर्चा किए गए शोध से जुड़े थे। दोनों गवाहों ने पीड़ितों की पहचान करने और अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। ओ'नील ने बताया कि 1977 की सुनवाई के बाद वादा की गई संघीय जांच कभी पूरी तरह से साकार नहीं हुई, जबकि किंजर ने कांग्रेस से शेष गोपनीय फाइलों की जांच करने और पहले से जारी की गई फाइलों से संपादन हटाने का आग्रह किया।

अमेरिका का 250वां स्वतंत्रता दिवस : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने नागरिकों से लोकतंत्र की रक्षा करने का किया आग्रह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन से जुड़े चार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझा संदेश देते हुए कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र अभी भी निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है और इसकी मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। हालांकि, देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल को लेकर चारों नेताओं ने अलग-अलग आकलन पेश किए। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जो बाइडेन, सभी ने इस मौके पर अमेरिकियों से डेमोक्रेटिक मूल्यों की रक्षा करने, नागरिक जीवन में हिस्सा लेने और देश के संस्थापकों द्वारा बताए गए एक ज्यादा व्यवस्थित संघ की दिशा में कोशिश करते रहने की अपील की। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, 'अमेरिका लगातार आगे बढ़ रहा है। हर पीढ़ी को पिछली पीढ़ी के अधूरे काम को आगे बढ़ाना चाहिए, जो सही है उसकी रक्षा करनी चाहिए, जो गलत है उसे ठीक करना चाहिए और हमारे यूनियन को थोड़ा और बेहतर बनाना चाहिए। 250 साल बाद, यह पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।'

पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा, 'हमारे डेमोक्रेसी के बारे में कुछ भी सुनिश्चित नहीं है। हमें इसके लिए लड़ना होगा, इसे बचाना होगा और इसे कमाना होगा। बार-बार, साल दर साल। यह कोई बोझ नहीं है। एक अमेरिकी होने का यही मतलब है।'

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि अमेरिका अभी तक स्वतंत्रता की घोषणा (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) में निहित आदर्शों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाया है, लेकिन हमने कभी उन आदर्शों का साथ नहीं छोड़ा है। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि हम भविष्य में भी कभी उन आदर्शों से पीछे न हटें। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने नागरिक जिम्मेदारी और उन स्वतंत्रताओं पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्होंने पीढ़ियों से अमेरिका की पहचान और मूल्यों को आकार दिया है। बुश ने एक वीडियो मैसेज में कहा, 'अगले 250 सालों में अमेरिकियों को दर्शक नहीं, बल्कि नागरिक बनना होगा। अमेरिकियों को अपने देश और जिन समुदायों में वे रहते हैं, उनके स्वास्थ्य और भलाई में सक्रिय रुचि लेने की जरूरत है।' उन्होंने वोटिंग को एक शक्तिशाली आजादी करार दिया और कहा कि इसका हमें सम्मान करना चाहिए। उन्होंने प्रर्थना की आजादी, प्रेस की आजादी और सामुदायिक सेवा की आजादी को ऐसे स्थायी मूल्य बताया जो अमेरिकियों को एकजुट करते रहते हैं। क्लिंटन ने चारों पूर्व राष्ट्रपतियों में से सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने आगाह किया कि गहरे विभाजन के एक और दौर के बीच अमेरिका अपनी 250वीं सालगिरह मना रहा है।

हाफिज सईद का बेटा तल्हा संभालेगा लश्कर-ए-तैयबा की कमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को तहस-नहस कर दिया था। अब खबर आ रही है कि इस आतंकी गुट ने खुद को दोबारा खड़ा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हफ्तों तक चले आंतरिक विवाद और विचार-विमर्श के बाद संगठन ने अपने संस्थापक हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को नया ऑपरेशनल कमांडर नियुक्त करने का फैसला किया है। लश्कर के पुराने धड़े के दबाव के कारण उम्रदराज हाफिज सईद को पूरी तरह दरकिनार नहीं किया गया है। वह संगठन के मार्गदर्शक और वैचारिक प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। जमीनी अभियानों की पूरी कमान अब तल्हा सईद के हाथों में होगी।

तीन क्षेत्रों के लिए तीन कमांड : भारतीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की देखरेख में लश्कर ने अपने नेटवर्क का पूरी तरह से ढांचा बदल दिया है। नए प्लान के तहत, लश्कर अब पाकिस्तान के भीतर तीन अलग-अलग क्षेत्रीय ऑपरेशनल कमांड के माध्यम से काम करेगा। बलूचिस्तान विंग, खैबर पख्तूनख्वा विंग और पाक अधिकृत कश्मीर विंग। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमलों से बुरी तरह बेहाल हैं। कई पाकिस्तानी सैनिकों ने अपनी चौकियां छोड़ दी हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पाकिस्तानी तंत्र ने अब लश्कर के आतंकियों को अपनी सेना के साथ मिलकर टीटीपी और बीएलए के खिलाफ जंग में झोंक दिया है। क्षेत्रीय कमांड बनाने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आतंकियों को भर्ती करना है। लश्कर का मानना है कि स्थानीय लोग वहां के भूगोल और रसद से बेहतर वाकिफ होते हैं, जिससे हालिया महीनों में खुफिया विफलता के कारण जो नुकसान झेलना पड़ा है उसकी भरपाई की जा सके।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्न: ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ। अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके। भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड

आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया।

ट्रम्प बोले- हम एक देश और एक परिवार : ट्रम्प ने कहा कि 'हम एक देश हैं, एक परिवार हैं और एक ही झंडे के नीचे खड़े हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी एकता और साझा मूल्यों में है। ट्रम्प ने कहा कि पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन देश हमेशा एकजुट होकर आगे बढ़ा। उन्होंने लोगों से देश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने के लिए कहा।

कम्युनिज्म हमेशा हारा है और आगे भी हारेगा : अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा कि कम्युनिज्म हमेशा हारने वाली विचारधारा रही है और आगे भी हारती रहेगी।' उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट व्यवस्था अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक, अमेरिका की पहचान आजादी, लोकतंत्र और व्यक्तिगत अधिकारों से है, जबकि कम्युनिज्म इन मूल्यों के खिलाफ है। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे सैनिकों ने दुनिया भर के युद्धक्षेत्रों में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह लड़ाई इसलिए नहीं लड़ी कि वही खतरा फिर अमेरिका के भीतर लौट आए।' ट्रम्प ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गौरव का प्रतीक रहा है। ईश्वर की कृपा से हम आगे भी ऐसे ही रहेंगे, बल्कि इससे भी बेहतर बनेंगे। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 1776 से 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने आजादी की तानाशाही पर जीत, स्वतंत्रता की दमन पर विजय और अमेरिकी भावना की ताकत को दुनिया के सामने साबित किया है। ट्रम्प ने दावा किया कि 'आज हमारा देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा स्वतंत्र, ज्यादा समृद्ध, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा गर्व से भरा हुआ है।

खतरे में शहबाज शरीफ की कुर्सी, इस सहयोगी पार्टी ने किया बगावत का ऐलान! दी सड़कों पर उतरने की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। हाल ही में पाकिस्तान की सरकार में शामिल पार्टी मानी जाने वाली मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) शहबाज सरकार को धमकी दी है कि अगर उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, तो उनकी पार्टी पूरे सिंध में सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। एमक्यूएम-पी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में गठबंधन सहयोगी है। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अखबार डॉन के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने आरोप लगाया है कि 2022 में हुए 18-सूत्रीय समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया। पार्टी का कहना है कि यह समझौता सरकार बनाने से पहले राजनीतिक सहमति का हिस्सा था, जिसमें स्थानीय शासन,

नौकरियों में कोटा प्रणाली और संसाधनों के बंटवारे जैसे अहम मुद्दे शामिल थे।

पूरे सिंध में करेंगे आंदोलन: एमक्यूएम-पी : कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता फारूक सत्तार ने इसे अंतिम चेतावनी बताया और कहा, अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो पार्टी ऐसा विरोध आंदोलन शुरू करेगी जिसे रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने न तो प्रांतीय सरकार में हिस्सेदारी मांगी और न ही अतिरिक्त अधिकार, बल्कि केवल अपने समझौते को लागू करने की मांग कर रही है। सत्तार ने यह भी दावा किया कि समझौते के गारंटर के तौर पर शहबाज शरीफ स्वयं शामिल थे, इसलिए अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इसे लागू कराए। उन्होंने कहा कि 18 में से एक भी बिंदु अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। बढ़ सकती हैं शहबाज शरीफ की मुश्किलें पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 149 का हवाला देते हुए संघीय हस्तक्षेप या जनमत संग्रह की मांग भी उठाई। साथ ही कराची में स्थानीय सरकार व्यवस्था, फर्जी डोमिसाइल और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली खत्म करने की मांग दोहराई गई। एमक्यूएम-पी सिंध प्रांत में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। पार्टी का कहना है कि कराची और अन्य शहरी क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार की एक सहयोगी पार्टी का इस तरह खुलकर विरोध करना शहबाज सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

ईरान में खोदी जा रही हजारों कब्रें! खामेनेई के जनाजे में 3,000 लोगों के मौत की आशंका

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के चार महीने बाद उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है। 4 जुलाई को उनके जनाजे की रस्में शुरू हो गई हैं, जो 9 जुलाई तक चलेंगी और इसके बाद उनके शरीर को दफना दिया जाएगा। इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिसके मुताबिक, ईरानी सरकार खामेनेई के जनाजे से पहले हजारों कब्रें खुदवा रही है। जानकारी के मुताबिक, जर्मनी के मीडिया हाउस WELT तेहरान से मिली जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ईरान की सरकार को सुप्रीम लीडर खामेनेई के जनाजे में 1,500 से 3,000 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। इसके चलते ईरान की सरकार ने पर्दे के पीछे इस स्थिति के लिए तैयारियां भी कर ली हैं।

क्यों डरी हुई है ईरानी सरकार : ईरान सरकार ने आशंका जताई है कि अली खामेनेई के जनाजे में देशभर के लोग शामिल होंगे। सरकार के मुताबिक जनाजे में डेढ़ से दो करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ईरान की सरकार जनाजे में शामिल होने वाले लोगों की संख्या को लेकर डरी हुई है। ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे पर भगदड़ और हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। सरकार को आशंका है कि खामेनेई के जनाजे में भी भगदड़ और अन्य घटनाएं हो सकती हैं। जिसमें 1,500 से 3,000 लोगों की जान जा सकती है। सरकार ने इन्हीं आशंकाओं के चलते एक हजार से अधिक कब्रों का इंतजाम किया है। तेहरान में नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने सच में कब्रें तैयार की हैं। जनाजे में अगर भगदड़ या गर्मी के कारण 3,000 लोगों की मौत भी हो जाती है, तो स्थिति को काबू से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि क्योंकि इतनी भीषण गर्मी और भीड़ के बीच भगदड़ होने की संभावनाएं अधिक है। इसी बीच एक पत्रकार ने दावा किया है, नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट और ईरानी रेड क्रिसेंट ने ईरान के फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद-रेजा आरिफ के एक सीक्रेट चिट्ठी भेजी है। चिट्ठी में कहा गया है कि जनाजे के दौरान भगदड़ और दूसरी घटनाओं में लोगों की मौत की आशंका के चलते तेहरान के कई कब्रिस्तानों में हजारों कब्रें तैयार की गई हैं। ईरान सरकार के इस डर के पीछे एक बड़ी वजह ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे के दौरान लोगों की मौतों का इतिहास भी है। 1989 में जब ईरान के पहले सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी का जनाजा निकाला गया था, तब भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल हो गए थे।

बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोपों से अल्पसंख्यकों पर संकट: 6 महीने में 17 मामले, एचआरसीबीएम ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने आरोप लगाया है कि देश में ईशनिंदा (ब्लासफेमी) के आरोपों का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। संगठन के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के बीच ऐसे 17 मामले सामने आए हैं, जो एक चिंताजनक और लगातार दोहराए जा रहे पैटर्न की ओर इशारा करते हैं।

एचआरसीबीएम ने हाल ही में सुनामगंज जिले के एक हिंदू युवक दीप्तो राय के मामले का हवाला देते हुए दावा किया कि सोशल मीडिया पर आरोप लगते ही भीड़ इकट्ठा हो जाती है, पुलिस कार्रवाई शुरू हो जाती है और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले ही आरोपी और उसके परिवार को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। संगठन का कहना है कि यह केवल कानूनी मामला नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करने का तरीका बनता जा रहा है। एचआरसीबीएम ने बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

17 मामलों का किया दावा : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने कहा कि जनवरी से जून के बीच ऐसे 17 मामले दर्ज किए गए हैं, जो एक 'खतरनाक पैटर्न' को दर्शाते हैं। संगठन के अनुसार, 'हाल ही में सुनामगंज जिले के ताहिरपुर उपजिला में हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीप्तो राय पर लगाए गए ईशनिंदा के आरोप ने इस प्रवृत्ति को फिर उजागर किया है। संगठन ने कहा कि सोशल मीडिया पर आरोप सामने आते ही भीड़ जुट जाती है, पुलिस कार्रवाई करती है, और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले

ही आरोपी और उसके परिवार पर भारी सामाजिक दबाव बन जाता है। एचआरसीबीएम ने पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि यह आरोप 'झूठा और आधारहीन' था।

धार्मिक स्थलों को बनाया गया निशाना : एफआईआर का हवाला देते हुए संगठन ने बताया कि मामले में सोशल मीडिया पोस्ट, पुलिस हिरासत, मोबाइल फोन जब्ती और साइबर कानून से जुड़े प्रावधान शामिल हैं, लेकिन गिरफ्तारी के समय यह स्पष्ट नहीं था कि संबंधित सामग्री वास्तव में आरोपी ने पोस्ट की थी या उसका नियंत्रण उसी के पास था। संगठन ने कहा कि इस घटना के बाद आरोपी के परिवार, उनकी आजीविका और स्थानीय धार्मिक स्थल पर भी हमले और दबाव की स्थिति बनी।

अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा निशाना : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज संगठन ने कहा, 'बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए यह अब कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि एक दोहराई जाने वाली सामाजिक हिंसा की प्रक्रिया बन गई है।' संगठन ने दावा किया कि पिछले वर्ष भी ईशनिंदा के आरोपों में 73 अल्पसंख्यक युवाओं की गिरफ्तारी हुई थी। एचआरसीबीएम ने कहा कि असली समस्या केवल आरोप नहीं है, बल्कि आरोप लगते ही सजा जैसा माहौल बन जाना है जबकि अदालत या फोरेंसिक जांच से पहले ही परिवारों, संपत्तियों और समुदायों को निशाना बनाया जाता है। एचआरसीबीएम संगठन ने बांग्लादेश सरकार, पुलिस, न्यायपालिका, मानवाधिकार आयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस स्थिति को 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक सुरक्षा आपातकाल' के रूप में देखने की अपील की।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाशते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

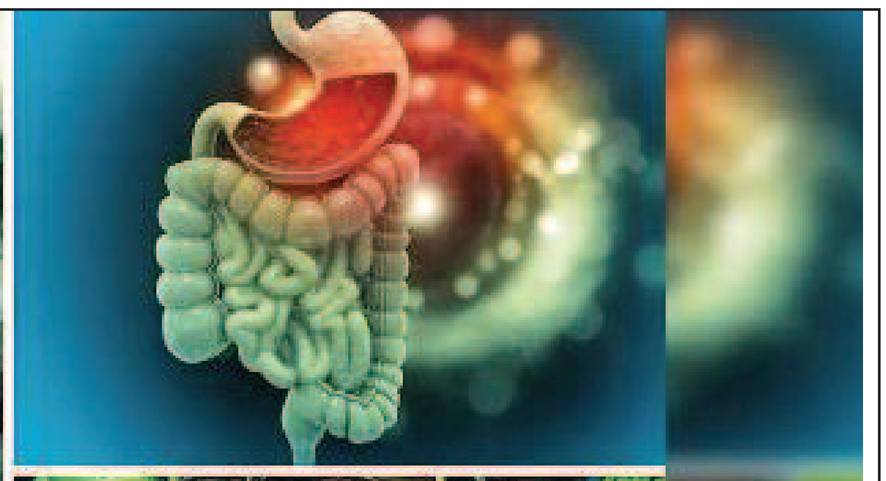

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मजा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए हो रहे प्रयास : महाराज

3.20 करोड़ से अधिक विकास योजनाओं की दी सौगात

बीरोंखाल विकासखंड में योजनाओं का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम है। इसके जरिए सरकार अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाती है, वहीं लोगों को अपनी समस्याएं सीधे सरकार के सामने रखने का अवसर भी मिलता है। सोमवार को बीरोंखाल विकासखंड के दौरे पर पहुंचे सतपाल महाराज ने भरपूर बड़ा, नेग्याणा, कसाणी, हलाड़, सैंधार, भरोलीखाल और कमलिया वल्ला सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र को 3.20 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी और कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने 2.71 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले भगवती तलिया-कमलिया पांच किलोमीटर मोटर मार्ग पर आरसीसी पुल, 39.18 लाख रुपये की लागत से सैंधार-नेग्याणा-चोरखिंडा मोटर मार्ग के सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्य तथा 10 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत कैलाड में पंचायत भवन निर्माण का शिलान्यास किया। इस दौरे के दौरान कैबिनेट मंत्री ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सतपाल महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भूमियाखांडा-किंगोड़ीधार, डांडा नागराजा ग्राम समूह, वेदीखाल, बरसुण्डा देवता, भैरोंगढ़ी, जूनीसेरा-चौबट्टाखाल तथा हलूणी समेत कई महत्वपूर्ण पेयजल और सिंचाई पंपिंग योजनाओं पर करोड़ों रुपये की लागत से कार्य चल रहे हैं। इन योजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा।

अलकनंदा का जल स्तर बढ़ा, शिव मूर्ति डूबी

श्रीनगर गढ़वाल : बारिश के चलते अलकनंदा नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ने से रुद्रप्रयाग में शिव मूर्ति डूब गई। यहां खतरे के निशान के आसपास नदी का जल स्तर पहुंच गया है। वहीं श्रीनगर में घाट तक पानी पहुंच गया।

चमोली, रुद्रप्रयाग और अन्य ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर सोमवार को श्रीनगर में अलकनंदा नदी के जल स्तर पर साफ दिखाई दिया। सुबह कुछ ही घंटों में नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ने से श्रीनगर स्थित अलकेश्वर घाट की निचली सीढ़ियों तक नदी का पानी पहुंच गया। हालांकि दोपहर बाद जल स्तर में कमी आने से राहत मिली। सिंचाई विभाग के अनुसार नदी अभी चेतावनी और खतरे के स्तर से नीचे बह रही है। किसी प्रकार का खतरा नहीं है। सोमवार सुबह श्रीनगर के आंचल डेयरी, कीर्तिनगर और मलेथा क्षेत्र में तेज बारिश हुई, जबकि शहर के अधिकांश हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी ही दर्ज की गई। इसके बावजूद ऊपरी क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश का सीधा असर अलकनंदा नदी पर पड़ा।

चार दिन तक बिजली की आंख-मिचौली से उपभोक्ता परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के भक्तियाना, कमलेश्वर, बागवान, शक्ति विहार, एनआईटी और हथकट्टा क्षेत्रों में पिछले चार दिनों से अनियमित बिजली आपूर्ति ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। उमस भरी गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली की आंख-मिचौली से जनजीवन प्रभावित रहा। व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा जबकि छात्रों की पढ़ाई भी बाधित रही। कमलेश्वर के व्यवसायी आशुतोष बहुगुणा और गणेश ने बताया कि सुबह के व्यस्त समय में बिजली गुल रहने से फोटोस्टेट, प्रिंटिंग और अन्य कार्य प्रभावित हुए। काम न हो पाने के कारण ग्राहक लौट गए। वहीं, प्रकाश सती और विपिन थपलियाल ने बताया कि लगातार कटौती से दुकानों के फ्रिज ठीक से नहीं चल सके जिससे आइसक्रीम, दूध और अन्य डेयरी उत्पाद खराब हो गए। स्थानीय निवासी गजेंद्र, घनश्याम और दिनेश उनियाल ने बताया कि उमस भरी गर्मी में पंखे और कूलर बंद रहने से परेशानियों का सामना करना पड़ा। रविवार को पूरे दिन बिजली न रहने से लोगों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। एनआईटी के एमटेक सहित अन्य छात्रों ने बताया कि बिजली नहीं होने से लैपटॉप चार्ज नहीं हो पाए और प्रोजेक्ट व शोध कार्य प्रभावित हुए। विद्युत विभाग के अवर अभियंता यतेंद्र कुमार ने बताया कि पौड़ी चुंगी के पास स्थित ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने से यह समस्या उत्पन्न हुई। विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था से आपूर्ति बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन मरम्मत के दौरान कुछ घरों के इन्वर्टरों से बैक करंट आने के कारण कार्य प्रभावित हुआ। इससे ट्रांसफार्मर ठीक करने में अपेक्षा से अधिक समय लगा।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के साथ यमुनोत्री—गंगोत्री पर भूस्खलन का सिलसिला शुरू

उत्तरकाशी/बड़कोट। मानसून की शुरुआत के साथ ही चारधाम यात्रा के दोनों प्रमुख मार्ग गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर भूस्खलन का सिलसिला शुरू हो गया है। सोमवार को दोनों हाईवे पर अलग—अलग स्थानों पर मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात घंटों बाधित रहा। गंगोत्री हाईवे पर नेताला में हुए भूस्खलन के कारण वहां पर कीचड़ में तब्दील मलबे में वाहन फंसने के कारण करीब एक घंटे आवाजाही बंद रही। वहीं स्यानाचट्टी में भूस्खलन होने से आवाजाही शाम करीब चार बजे से बंद हो गई। गंगोत्री हाईवे पर सोमवार सुबह डबरानी के पास पहाड़ी से चट्टानी मलबा गिरने से यातायात बाधित हो गया। सीमा सड़क संगठन ने मशीनें लगाकर मलबा हटाया और करीब आधे घंटे बाद मार्ग पर आवाजाही बहाल कर दी।

वहीं नेताला भूस्खलन जोन में बरसाती पानी के साथ कीचड़ फैलने से भी वाहनों की आवाजाही करीब एक घंटे तक प्रभावित रही। इधर, यमुनोत्री हाईवे पर तड़के स्याना चट्टी के पास हुए भूस्खलन के कारण सुबह करीब चार बजे से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने का कार्य शुरू किया और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद सुबह लगभग नौ बजे मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया। लगातार हो रहे भूस्खलन को लेकर स्थानीय लोगों ने सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान की जा रही अनियंत्रित कटिंग पर चिंता जताई है।

उनका कहना है कि असुरक्षित कटिंग के कारण स्याना चट्टी सहित कई संवेदनशील स्थानों पर मामूली बारिश में भी मलबा और बोल्डर गिर रहे हैं, जिससे चारधाम यात्रा प्रभावित हो रही है। लोगों ने मांग की है कि सड़क चौड़ीकरण कार्य वैज्ञानिक तरीके से कराया जाए, संवेदनशील स्थलों पर स्थायी सुरक्षा उपाय किए जाएं। साथ ही मानसून के दौरान दोनों हाईवे पर निर्बाध रूप से आवाजाही के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

आरसेटी का 13 दिवसीय सीसीटीवी व सुरक्षा अलार्म प्रशिक्षण 8 से

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 13 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

संस्थान के निदेशक अरुण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण 08 जुलाई, बुधवार से शुरू होकर 20 जुलाई तक चलेगा। प्रशिक्षण का आयोजन पुराना विकास भवन में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस 13 दिवसीय प्रशिक्षण में चयनित युवाओं को सीसीटीवी कैमरा इंस्टालेशन एवं सुरक्षा अलार्म सिस्टम की तकनीकी जानकारी दी जाएगी। ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवा अपना खुद का स्वरोजगार शुरू कर सकें। निदेशक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान 'जनपद स्तरीय अधिकारी' भी उपस्थित रहकर युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने सभी संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारियों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में पहुंचकर युवाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें स्वरोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दें।

बीडीसी बैठक में सड़क, मुआवजा और अधूरे कार्य उठाए

चिन्यालीसौड़। क्षेत्र पंचायत की बैठक में सड़क, बिजली, पानी और विकास कार्यों में हो रही देरी को लेकर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर अभी तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है। कहा कि अधिकारी बैठक के बाद जनमुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसके साथ ही सोमवार को आयोजित बैठक में सबसे अधिक मुद्दे लोक निर्माण विभाग से सदन में रखे गए।

ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख रणवीर सिंह महंत ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की ओर से बार—बार उठाई जा रही समस्याओं का समय पर समाधान नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों का सम्मान करते हुए उनकी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने लोनिवि की ओर से सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा लंबित होने, गढ़वालगाड़—कोट मोटर मार्ग निर्माण में देरी व बादसी खांड और उलण स्वीकृत मोटर मार्गों पर निर्माण कार्य शुरू नहीं होने का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। इन मामलों को लेकर सदन में तीखी बहस हुई और अधिकारियों से जवाब मांगा गया।

आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सबसे बड़ी ताकत

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : बांध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को गिंवाडी ग्राम में रिन्यू जल ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड ने एनडीआरएफ एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी (डीडीएमओ) के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष 'सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कंपनी की सिंगोली भटवाड़ी जल विद्युत परियोजना परिसर में आयोजित किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने कहा कि आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम का उद्देश्य सभी हितधारकों को बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के प्रावधानों से अवगत कराना तथा परियोजना की आपातकालीन तैयारियों एवं आपदा प्रबंधन तंत्र की जानकारी देना था।

इस अवसर पर एनडीआरएफ और डीडीएमओ की विशेषज्ञ टीम ने आपदा की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण और जागरूकता सत्र चलाए। आपातकाल में त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षित निकासी मार्ग और सामुदायिक सतर्कता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में रिन्यू जल ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट हेड अक्षय भारद्वाज, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार और एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट दिनेश कुमार ने उपस्थित हितधारकों से सीधा संवाद किया।

असुविधाओं के कारण पर्यटकों को होती है परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन पर्यटन के क्षेत्र में उभरता हुआ नाम है। इस गर्मी लगभग 60 हजार से अधिक पर्यटक लैंसडौन पहुंचे। पर्यटन नगरी में हर वर्ष पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन पर्यटन नगरी में असुविधाओं के कारण पर्यटकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पार्किंग व्यवस्था और वीकेंड पर लगने वाले जाम की समस्या से छावनी की जनता और पर्यटकों को कब राहत मिलेगी। पर्यटकों को मुख्य पर्यटक स्थलों में पहुंचने के लिए माल रोड, टिप टॉप, कालेश्वर मंदिर आदि प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में पहुंचने के लिए जाम का सामना करना पड़ता है। गांधी चौक से आर्य मेंशन तक आड़े तिरछे खड़े वाहन जाम का कारण बन रहे हैं। वहीं वाहन स्वामियों ने अपने वाहन सरकारी पोस्ट ऑफिस के आगे खड़े कर रखे हैं। जिससे कर्मचारी के साथ आम जनता को भी पोस्ट ऑफिस जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पोस्ट ऑफिस के सामने खड़े वाहन जाम का मुख्य कारण बन रहे हैं। कांग्रेस नगर अध्यक्ष रोशन शाह ने कहा कि पार्किंग के ठेके में हर साल बढ़ोतरी हो रही, परंतु पार्किंग व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। जबकि पार्किंग का ठेका लाखों में है, तो फिर पार्किंग व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं हो रहा है। छावनी अध्यक्ष ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी के सामने भी छावनी की जनता ने जनता दरबार में पार्किंग व्यवस्था में सुधार हेतु सुझाव दिए थे।

क्षतिग्रस्त विद्यालयों के लिए नाबार्ड से प्रस्ताव बनाए और लोल्टी में श्रम व आधार शिविर लगाएं

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान आमजन की समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त कुल 16 शिकायतों पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम चमसिल, ग्राम सभा ढामक निवासी जगदीश प्रसाद ने पेयजल मरम्मत कार्य के भुगतान से संबंधित शिकायत दर्ज कराई। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को नियमानुसार जांच कर शीघ्र आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं गोपेश्वर निवासी जयंती देवी की सीवरेज संबंधी शिकायत पर अधिशासी अभियंता जल संस्थान एवं अधिशासी अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर समस्या का शीघ्र समाधान करने को कहा। गोविंद लाल ने खल्ला मंडल स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय की क्षतिग्रस्त चारदीवारी का मामला उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को जनपद के सभी क्षतिग्रस्त विद्यालयों के लिए नाबार्ड के माध्यम से प्रस्ताव तैयार करने तथा नामित कार्यदायी संस्था से प्राथमिकता के आधार पर सभी प्रस्ताव शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिए। बैनोली निवासी मनमोहन सिंह ने श्रम कार्ड से संबंधित समस्या रखी। जिलाधिकारी ने श्रम अधिकारी को 9 जुलाई को लोल्टी में आयोजित होने वाले श्रम शिविर के साथ आधार पंजीकरण शिविर भी आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को एक ही स्थान पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अतिरिक्त जगदीश सिंह, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों पर भी सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी 16 शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर परियोजना निदेशक आनंद सिंह, पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा के शिविर दिखे खाली

चिन्यालीसौड़। सरकार की योजनाओं को गांव—गांव तक पहुंचाने के लिए विकासखंड परिसर में सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए गए हैं लेकिन सभी खाली दिखे। प्रशासन की ओर से प्रचार—प्रसार नहीं होने के कारण शिविर में ग्रामीण नहीं पहुंचे। इससे प्रशासन की ओर से इन शिविरों के आयोजन के लिए की गई तैयारियों पर सवाल खड़ा हो रहा है।

सोमवार को चिन्यालीसौड़ विकासखंड कार्यालय में सेवा पखवाड़ा के तहत बहुद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान आम लोगों तक योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टाल लगाए गए लेकिन इन स्टालों की जानकारी नहीं होने के कारण वहां पर लोगों के नहीं पहुंचने से वह दिनभर खाली रहे। इससे पूर्व क्षेत्र पंचायत की बैठक में अधिकारियों को सरकार की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने और लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए लेकिन बैठक खत्म होते ही सेवा पखवाड़ा शिविर की तस्वीर इन दावों से बिल्कुल उलट नजर आई।

रानीखेत में चुनावी सरगर्मियां तेज

रानीखेत (अल्मोड़ा)। विधानसभा चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन रानीखेत में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं।

भाजपा में टिकट को लेकर संभावित दावेदारों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। गांव से लेकर कस्बों तक जनसंपर्क अभियान, पोस्टर, होर्डिंग और विभिन्न आयोजनों में मौजूदगी के जरिए कई नेता अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। इससे पार्टी के भीतर राजनीतिक चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है।

रानीखेत विधानसभा सीट से भाजपा में अब तक दीप पांडेय, धन सिंह रावत, गोपाल उप्रेती, कैलाश पंत संभावित दावेदारों के रूप में सक्रियता बड़ा रहे है।

सभी नेता अलग–अलग माध्यमों से जनता के बीच पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं मौजूदा विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल भी क्षेत्र में लगातार सक्रियता बढ़ाते हुए संगठन विस्तार और जनसंपर्क कार्यक्रमों में जुटे हैं। हाल के दिनों में विभिन्न दलों और संगठनों से जुड़े कई लोगों के भाजपा में शामिल होने को भी उनकी सक्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। वही कई योजनाओं के शिलान्यास का कार्य भी उनके द्वारा लगातार किया जा रहा है।

दीवारों से लेकर धार्मिक आयोजनों तक दिख रही चुनावी आहट

रानीखेत क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान संभावित दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है। पोस्टर, बैनर और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से नेता जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही दावेदारों ने अपनी–अपनी जमीन मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है।

विकास संघर्ष समिति के आंदोलन को पूर्व विधायक ने दिया समर्थन

उत्तरकाशी। भटवाड़ी में विकास संघर्ष समिति के बैनर तले केवि स्थापना सहित तीन सूत्री मांगों को लेकर ग्रामीणों का धरना सोमवार को 12वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण और क्षेत्र के दूर—दराज गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने आंदोलन को समर्थन दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी लंबे समय से लंबित मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन को ओर तेज करने की चेतवानी दी। भटवाड़ी में चल रहा धरने पर बैठे ग्रामीणों ने बताया कि भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना, उत्तरकाशी से गंगोत्री तक ऑल वेदर रोड के निर्माण कार्य को जल्द शुरू करना तथा तहसील स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों का भटवाड़ी में नियमित संचालन, अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग कर रहे है।वहीं, इन मांगों के पूरा न होने से क्षेत्र के लोगों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। इस दौरान धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण ने ग्रामीणों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि ये मांगें केवल मूलभूत सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं बल्कि सीमांत क्षेत्र के समग्र विकास और भविष्य से जुड़ी हुई हैं।

धनगढ़ी पुल के बाद अब पन्याली नाले पर उठा सवाल

अल्मोड़ा, जिले के धनगढ़ी नाले पर पुल के लोकार्पण के बाद अब सल्ट विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने मोहान–मरचूला राष्ट्रीय राजमार्ग–309 पर स्थित पन्याली नाले पर स्थायी पुल निर्माण की मांग तेज हो गई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि धनगढ़ी पुल बनने से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ है लेकिन पन्याली नाला आज भी हर मानसून में लोगों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार मोहान से मरचूला की ओर स्थित पन्याली नाला बारिश के दौरान उफान पर आ जाता है जिससे घंटों यातायात पूरी तरह ठप हो जाता है। सल्ट, धुमाकोट, मैठाणाघाट, बीरोंखाल, बैजरो, थलीसैंण, पौड़ी समेत गढ़वाल और कुमाऊं के बीच आवागमन करने वाले सैकड़ों वाहन, पर्यटक और एंबुलेंस रास्ते में फंस जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि धनगढ़ी पहुंचने से पहले पन्याली नाले को पार करना सबसे कठिन पड़ाव बन जाता है।

ग्रामीण राजेश कंडारी ने बताया कि कई बार नाले का पानी मोहान बाजार और पुलिस चौकी तक पहुंच जाता है जिससे सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है। लोक निर्माण विभाग हर वर्ष जेसीबी मशीन तैनात कर नाले की सफाई कराता है लेकिन इससे केवल अस्थायी राहत मिलती है। अन्य लोगों का कहना है कि सबसे अधिक परेशानी गंभीर मरीजों को होती है। पर्वतीय क्षेत्रों से रेफर किए गए मरीज, गर्भवतियां और सड़क दुर्घटना के घायल घंटों तक नाले के शांत होने का इंतजार करने के लिए मजबूर हो जाते हैं जिससे उनकी जान पर भी बन आती है।

विजय उनियाल ने कहा कि पन्याली नाला धनगढ़ी से भी अधिक खतरनाक है। हर वर्ष यहां दुर्घटनाएं होती हैं। कई लोग तेज बहाव में बह चुके हैं और वाहन भी नाले में फंसने या पलटने की घटनाएं सामने आती रही हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य नारायण सिंह रावत, धनगढ़ी पुल निर्माण संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुनील टम्टा, राज्य आंदोलनकारी राजेंद्र नेगी, देवेंद्र रावत, हिम्मत सिंह समेत अन्य क्षेत्रवासियों ने सरकार से पन्याली नाले पर शीघ्र पुल निर्माण कराने की मांग की है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

● मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

● **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड-** इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

● ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

● पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।